रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 5—दिसम्बर 11, 2009 (अग्रहायण 14, 1931)

No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 5—DECEMBER 11, 2009 (AGRAHAYANA 14, 1931)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं 1047

भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं 1127

भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं 77

भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं ... 1775

भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम ..... *

भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ ..... *

भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)..... *

भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश ..... *

भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं 4269

भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टें और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस ..... *

भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ..... *

भाग III—खण्ड-4—विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं 9071

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस 395

भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक ..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 1047

PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 1127

PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence..... 77

PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence..... 1775

PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations..... *

PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations ..... *

PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills..... *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)..... *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)..... *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) ..... *

PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..... *

PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India 4269

PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs..... *

PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners..... *

PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies..... 9071

PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies 395

PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi..... *

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2009

संख्या 112-प्रेज/2009 - राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी उत्कृष्ट बहादुरी के लिए **"अशोक चक्र"** से सम्मानित करने की स्वीकृति प्रदान करती हैं :-

1. **एस एस - 40576 मेजर डी. श्रीराम कुमार, 39 असम राइफल**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख - 23 अक्तूबर, 2008)

मेजर डी. श्रीराम कुमार ने मणिपुर में अपने अनुकरणीय नेतृत्व और जानकारी के बल पर एक जबरदस्त एवं जानदार आसूचना नेटवर्क बना लिया था।

इम्फाल पूर्व, जिले के एक गांव में 10-15 सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता आसूचना मिलने पर 23 अक्तूबर, 2008 को 1730 बजे मेजर डी. श्रीराम कुमार ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए आपरेशन शुरू किया।

संदिग्ध स्थान पर पहुंचकर उन्होंने आतंकवादियों के भागने के रास्तों पर कई घात लगाए। ललकारे जाने पर आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध भारी गोलाबारी शुरू कर दी और उनके घात करने वाले क्षेत्र को चारों तरफ से घेर लिया। स्थिति का अनुमान लगाते हुए यह अफसर अचूक गोलाबारी करते हुए आंतकवादियों से भिड़ गया और मौके पर ही दो आतंकवादियों को मार गिराया।

आमने-सामने की इस भीषण लड़ाई में मेजर डी. श्रीराम बाकी आतंकवादियों की तरफ बढ़ते गए । अपने बहादुर अफसर के हिम्मत भरे कारनामे से प्रेरणा पाकर उसकी मातहत टुकड़ी ने तुरंत उसका अनुसरण किया । खोदे गए गड्ढे से दो आतंकवादियों को गोलाबारी करते हुए दिखाई देने पर मेजर डी. श्रीराम कुमार ने अपने साथियों से उन्हें गोलाबारी से आड़ देने के लिए कहा और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बगैर घुटने के बल चल कर उनके पास तक पहुंच गए और बिल्कुल करीब से दो आतंकवादियों को मार गिराया।

मेजर डी. श्रीराम कुमार ने जानलेवा भीषण गोलाबारी के बीच अनुकरणीय नेतृत्व व उत्कृष्ट बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए अकेले ही चार आतंकवादियों को मार गिराया।

2. **आई सी-59066 मेजर मोहित शर्मा, सेना मेडल, 1 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष दल) (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख - 21 मार्च, 2009)

मेजर मोहित शर्मा उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में चलाए जा रहे आपरेशनों के ब्रावो आक्रामक दल का नेतृत्व कर रहे थे। 21 मार्च, 2009 को, घने जंगल में घुसपैठ कर रहे कुछ आतंकवादियों के होने की खबर प्राप्त होने पर, उन्होंने बड़ी बुद्धिमानी से योजना बनाई और उनका पता लगाने के लिए अपने कमांडों का नेतृत्व किया। संदेहास्पद गतिविधि देखकर उन्होंने अपने साथियों को सावधान किया मगर आतंकवादियों ने तीन तरफ से अंधाधुंध फायरिंग कर दी। भारी गोलाबारी में चार कमांडों घायल हुए। मेजर शर्मा ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर तुरंत घुटनों के बल चलने लगे और दो सैनिकों को सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया। जबरदस्त गोलाबारी से बेपरवाह रहते हुए उन्होंने ग्रेनेड फैंके और दो आतंकवादियों को मार गिराया किंतु उनके सीने में गोली लग गई। इस बीच घायल होने पर भी वे अपने कमांडों को निर्देश देते रहे। अपने साथियों को आगे खतरे में भांप कर वे गुथमगुत्था की लड़ाई में भिड़ गए और दो और आतंकवादियों को मार गिराया और भारतीय सेना की उच्च परंपराओं के अनुरूप मातृभूमि के लिए लडते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।

मेजर मोहित शर्मा, सेना मेडल ने इस प्रकार उत्कृष्ट बहादुरी, अनुकरणीय नेतृत्व और अदम्य साहस का परिचय दिया और आतंकवादियों से लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान किया।

बरूण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 113-प्रेज/2009 - राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी उत्कृष्ट बहादुरी के लिए **"कीर्ति चक्र"** से सम्मानित करने की स्वीकृति प्रदान करती हैं :-

1 **2994546 नायक ऋषिकेश गुर्जर, राजपूत रेजिमेंट/ 10 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख - 08 नवंबर, 2008)

08 नवंबर, 2008 को जम्मू एवं कश्मीर के डोडा जिले में चलाए जा रहे आपरेशन के दौरान आक्रामक दल के सदस्य के रूप में नायक ऋषिकेश गुर्जर एक जबरदस्त किलाबंद गुफा के भीतर आतंकवादियों के छिपे होने की पुष्टि करने के लिए स्वयं आगे आए। व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर अत्यधिक साहस के साथ वे गुफा की ओर जाने वाले कगार पर रेंगकर चढ़ गए और आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे भारी गोलाबारी के दौरान गुफा के भीतर ग्रेनेड फैंके।

अपनी सूझबुझ का परिचय देते हुए, वे स्वयं ही आगे आए और प्रवेश द्वार के नीचे कंटीला तार बिछा दिया। अपनी जान को भारी जोखिम में डालते हुए उन्होंने धुंआवाली मोमबत्तियों और मिट्टी के तेल से भीगी घास के गठरों को वहां रख दिया और उसके बाद उसमें आग लगा दी ताकि आतंकवादियों को वहां से भगाया जा सके। इसके बाद उन्होंने मोर्चे को संभाला और अंधाधुंध गोलाबारी कर रहे आंतकवादियों की भारी गोलियों का मुकाबला करते हुए उनमें से एक आतंकवादी को काफी करीब से मार गिराया। बाकी दो आंतकवादी उसके तुरंत बाद बाहर निकल आए। आतंकवादियों का पूरे साहस और दृढ़ निश्चय के साथ मुकाबला करते हुए अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर उन्होंने गुथ्थमगुथ्था की लड़ाई में अकेले ही काफी नजदीक से उन दोनों को मार गिराया।

नायक ऋषिकेश गुर्जर ने उन तीनों आतंकवादियों का सफाया करने में अदम्य साहस, निर्भिकता और उत्कृष्ट बहादुरी का परिचय दिया।

2. **आई सी-59630 मेजर अमित ओस्कर फर्नांडीस, 7 मराठा लाईट इन्फैंट्री**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख - 16 नवंबर, 2008)

16 नवंबर, 2008 को जम्मू एवं कश्मीर के बारामूला जिले के एक गांव के पास एक "खोजो और नष्ट करो" आपरेशन शुरू किया गया। 20:45 बजे मेजर अमित ओस्कर फर्नांडीस के अधीन काम कर रहे 5 अन्य रैंकों का खोजी दल जनरल एरिया में मौजूद था। अंधेरा होने तथा ऊंची नीची भूमि के कारण, अफसर को आतंवादियों की गतिविधियों का पता तब चला जब आतंकवादी उसके बहुत करीब थे। मेजर फर्नांडीस ने आतंकवादियों के ऊपर जबरदस्त गोलाबारी करनी शुरू कर दी और उनमें से दो को मार गिराया। एक आतंकवादी ने उनकी ओर फायरिंग कर दी। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए गोलाबारी करते हुए मेजर फर्नांडीस ने बैरल सहित आतंकवादी के हथियार को खींच लिया और उसे दूर फैंक दिया। बैरल के गरम होने की वजह से उनका हाथ जल गया और एक गोली उनके बुलेट प्रूफ जैकेट के भीतर जाकर लग गई। उसे छुड़ाने के लिए आतंकवादी ने उनके अंगूठे को काट लिया। फिर भी मेजर फर्नांडीस ने लड़ रहे आतंकवादी से हथियार को छीन लिया और उसे मार गिराया।

मेजर फर्नांडीस ने अपने अदम्य साहस दृढ़ निश्चय तथा मौके पर कार्रवाई करके अपने साथियों की जान बचाई साथ ही साथ तीन दुर्दांत आतंकवादियों का भी सफाया किया।

3. **आईसी-61379 मेजर दीपक तिवारी, इलेक्ट्रानिकी एवं यांत्रिकी इंजीनियरिंग कोर/14 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख - 28 नवंबर, 2008)

27 नवंबर, 2008 को मेजर दीपक तिवारी को बिग्रेड से विशेष खबर मिली कि जम्मू एवं कश्मीर के एक गांव के किसी घर में पांच आतंकवादी छिपे हुए हैं। घनघोर काली रात में वे तत्परता से निकल पड़े और इस प्रकार उन्होंने अपनी त्वरित गति से आतंकवादियों को आश्चर्य में डाल दिया। 28 नवंबर, 2008 को 0015 बजे लक्ष्य के पास पहुंचने पर अफसर ने सुना कि आतंकवादी घर से निकलकर उनकी ओर आ रहे हैं। आतंकवादियों ने भारी गोलाबारी शुरू कर दी, अपनी टुकड़ी को देखकर अफसर ने गोलाबारी के बावजूद, अपने फौलादी साहस और सूझ बूझ का परिचय देते हुए जवाबी कार्रवाई की और चार आतंकवादियों का पीछा किया जो एक चट्टान के पीछे कूद गए। आतंकवादी की गोलाबारी का मुकाबला करते हुए अफसर बिजली की माफिक आगे बढ़ा और लगभग तीन मीटर के काफी करीब बंदूक की लड़ाई में अकेले ही तीन आतंकवादियों का सफाया कर दिया और चौथे को गंभीर रूप से घायल कर दिया। बहादुर अफसर ने इसके बाद अपने दल को व्यक्तिगत नेतृत्व प्रदान किया जिसके परिणामस्वरूप पांच दुर्दांत आतंकवादियों का सफाया किया जा सका।

मेजर दीपक तिवारी, ने आतंकवादियों से लड़ते हुए जानलेवा खतरे के बीच उत्कृष्ट बहादुरी, नेतृत्व और पेशेवर सूझबूझ का प्रदर्शन किया।

4. **9113063 पैराट्रूपर शबीर अहमद मलिक, 1 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख - 21 मार्च, 2009)

एक तेजतर्रार देशभक्त पैराट्रूपर शबीर अहमद मलिक अपने प्यारे वतन कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में भाग लेने के लिए स्वेच्छा से आगे आए। उन्होंने अपनी टुकड़ी का स्काउट के रूप में नेतृत्व करने के लिए स्वयं निर्णय लिया। 21 मार्च, 2009 को उनकी टुकड़ी घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों के एक समूह का पता लगा रही थी। ज्योंही उन्होंने चलने की आहट पाई, अपने साथी कमांडों को सावधान कर दिया। आतंकवादियों ने अचानक तीन ओर से अत्यधिक मात्रा में गोलाबारी करनी शुरू कर दी और उनके साथियों को बंदूक की गोलियों से चोट लग गयी । साथियों के ऊपर खतरे का अंदेशा भांपकर ग्रेनेड फैंकते हुए तथा घुटने के बल चलते हुए एवं

2—351 GI/2009

आतंकवादियों पर गोली चलाते हुए एवं इस क्रम में बिल्कुल नजदीक से एक आतंकवादी को जान से मारकर उन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बगैर अद्वितीय साहस का प्रदर्शन किया। इस गोलाबारी की लड़ाई में, उन्हें गोलियों की गंभीर चोटें आई फिर भी वे अपने साथियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने में कामयाब रहे। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद भी गुत्थमगुत्था की लड़ाई में उन्होंने एक दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया और गोलाबारूद की लड़ाई के दौरान अपने साथियों का हौसला बढ़ाते हुए घटना स्थल से जाने से मना कर दिया। उनके इस सर्वोच्च बलिदान से कश्मीर घाटी में इससे पूर्व कभी न हुआ था। मातम का दृश्य छा गया। मातृभूमि के लिए लड़ने के लिए लोगों ने उन्हें सम्मान दिया तथा कईयों ने इस शहीद के चरण-चिह्नों का अनुकरण करने का प्रण किया।

शबीर अहमद मलिक ने आतंकवादियों से लड़ते हुए उत्कृष्ट साहस, सखाभाव का प्रदर्शन किया और अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

बरूण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 114-प्रेज/2009 - राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी उत्कृष्ट बहादुरी के लिए **"शौर्य चक्र"** से सम्मानित करने की स्वीकृति प्रदान करती हैं :-

1. **श्री डेविड करकेटा, लांस नायक चौथी बटालियन उड़ीसा विशेष सशस्त्र पुलिस (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख - 27 जुलाई, 2007)

एक व्यापारी की शिकायत पर धन उगाही और अपहरण की गतिविधियों में संलिप्त अंतर-राज्यीय अपराधियों को पकड़ने के लिए एक पुलिस टुकड़ी का गठन किया गया था। श्री डेविड करकेटा, लांस नायक, चौथी बटालियन उड़ीसा, विशेष सशस्त्र पुलिस (ओएसएपी) उसी टुकड़ी के सदस्य थे। टुकड़ी ने इस अपराधी गिरोह को पकड़ने के लिए रणनीति तैयार की। 27 जुलाई, 2007 को उगाहीकर्ताओं के कहे के मुताबिक शिकायतकर्ता की स्कार्पियो गाड़ी को ट्रेजर गेट के सामने किरिबुरू स्क्वायर के पास पार्क कर दिया गया जहां मोटरसाइकिल पर सवार दो अपराधी स्कार्पियो गाड़ी के पास पहुंचे और नकद धन राशि सुपुर्द करने के लिए कहने लगे। रणनीति के अनुसार उड़ीसा विशेष सशस्त्र पुलिस के श्री डेविड करकेटा इस गाड़ी में छिपे हुए थे।

श्री डेविड करकेटा गाड़ी से कूद गए और झट से मोटर साइकिल पर पीछे सवार अपराधी को पकड़ लिया। जब अपराधियों को लगा कि वे अब दबाव में आ गए हैं तो दूसरे बदमाशों ने गोली चलानी शुरू कर दी। गोली श्री डेविड के सिर पर लगी और वे जमीन पर गिर पड़े। श्री करकेटा अपने घाव की वजह से 28-07-07 को हास्पीटल में चले बसे। इस घटना में गिरोह के एक सदस्य को पकड़ लिया गया और बाद में धन उगाही करने वाले उस गिरोह का पर्दाफाश हुआ।

श्री डेविड करकेटा ने अद्वितीय साहस का प्रदर्शन किया और संपूर्ण समर्पण के साथ अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया।

2. **श्री मनोज कुमार सिंह, निरीक्षक, 10 वीं बटालियन त्वरित प्रतिकिया दल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 03 जनवरी, 2008)

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के तीव्र प्रतिक्रिया दल के 10 वीं बटालियन के निरीक्षक, श्री मनोज कुमार सिंह की तैनाती अफगानिस्तान में सीमा सड़क संगठन के कार्मिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए हुई थी। 3 जनवरी, 2008 को 1645 बजे उन्हें सूचना मिली कि मोटरसाइकिल में रखा एक बम तालिबान प्रभावित शहर से क्वैटी आपरेशन करके लौट रहे सीमा सड़क संगठन के काफिले के समक्ष विस्फोट कर गया है। वह तुरंत विस्फोट स्थल की और दौड़ पड़े।

मौके पर पहुंच कर उन्होंने स्थिति का जायजा लिया ओर काफिले को और हमलों से बचाने के लिए अपनी टुकड़ी को तैनात कर दिया। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, उन्होंने ट्रेफिक से सड़क को खाली करा दिया ओर काफिले को मोड़ देने का प्रबंध करते हुए इसे सुरक्षित जगह पहुंचा दिया। जब वे आश्वस्त हो गए कि काफिले की सभी गाड़ियां सुरक्षित हैं तो उन्होंने अपने दल को फिर से संगठित किया ताकि वे मुख्यालय वापस लौट सकें । तभी एक आत्मघाती बमवर्षक आतंकवादी ने उनके बिल्कुल पास में ही स्वयं को बम से उड़ा लिया । उन्हें गंभीर चोटें आई और घटना स्थल पर ही दिवंगत हो गए।

श्री मनोज कुमार सिंह ने इस प्रकार, उत्कृष्ट साहस, दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया ओर अपने कर्तव्य का पालन करते हुए जीवन न्यौछावर किया।

3. **श्री देशा सिंह, सिपाही, 12 वीं बटालियन, भारत तिब्बत सीमा पुलिस (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 03 जनवरी, 2008)

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की 12 वीं बटालियन के सिपाही श्री देशा सिंह उस त्वरित कार्रवाई दल के सदस्य थे जो अफगानिस्तान में सीमा सड़क संगठन के कार्मिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैनात किया गया था। 03 जनवरी, 2008 को 1645 बजे, त्वरित कार्रवाई प्रतिक्रिया दल को यह सूचना मिली कि तालिबान प्रभावित शहर से क्वैटी आपरेशन करके लौट रहे बी आर ओ के काफिले के समक्ष मोटर साइकिल में रखा एक बम विस्फोट कर गया है । त्वरित प्रतिक्रिया दल तुरंत विस्फोटक स्थल पर पहुंच गया।

श्री देशा सिंह ने स्थिति का मूल्यांकन किया और समय बबार्द किए बिना उन्होंने वैकल्पिक रास्ते की तलाश की और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बगैर काफिले और क्यू आर टी कमांडर के साथ सहयोग किया और व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित किया कि सभी गाड़ियों को विस्फोटक स्थल से हटा लिया जाए और उन्हें सुरक्षित पहुंचा दिया जाए। यह सुनिश्चित करने के पश्चात कि काफिले की हरेक गाड़ी सुरक्षित है, वह अपनी टीम के साथ मुख्यालय वापस आ रहे थे कि तभी एक आत्मघाती बम धारक ने उनके पास ही अपने को उड़ा लिया। उन्हें गंभीर चोटें लगी और बाद में वे अपनी चोट के कारण दिवंगत हो गए।

श्री देशा सिंह ने अदम्य साहस, दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया और कर्तव्य करते हुए अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

4. **श्री ओंकार नाथ, सिपाही, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (दूसरी बटालियन)**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 05 जून, 2008)

श्री ओंकार नाथ सिपाही, 2 बटालियन भारत-तिब्बत सीमा पुलिस अफगानिस्तान में परियोजना जंगजू के अंतर्गत सुरक्षा ड्यूटी पर थे। 05 जून, 2008 को सड़क निर्माण हेतु पत्थर निकालने के दिन के कार्य को करने के बाद वह रजई क्वारी से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के काफिले की अग्रणी सुरक्षा कवच पंक्ति में चल रहे थे। राजमार्ग पर पहुंचने से पहले काफिला राजमार्ग को सुरक्षित करने और छानबीन करने के लिए रूका। तभी, विस्फोट सामग्री लदी एक कोरोला गाड़ी बड़ी तेज रफ्तार से काफिले की और आई। श्री नाथ अभी गोली चलाते तभी आत्मधाती बम वाहक ने अपने को उड़ा दिया और गाड़ी में उनके पास ही विस्फोट हो गया। आंख की रोशनी खत्म होने जैसी अनेक चोटों के बावजूद भी उन्होंने विस्फोटक गोलों से लदे क्यू आंर टी गाड़ी सुरक्षित जगह हटा दी तथा और विस्फोट होने से रोक दिया। इसके पश्चात् उन्होंने उस क्षेत्र को कब्जे में ले लिया जिससे तालिबान द्वारा संभावित चुनौती को विफल किया जा सका। श्री ओंकार नाथ ने तुरंत मुख्यालय को सूचित किया और अन्य चोटिल कार्मिकों को वहां से हटाने में सहायता प्रदान की।

श्री ओंकार नाथ ने अति भीषण परिस्थिति में अनुकरणीय साहस और बुद्धिमता का प्रदर्शन किया तथा अनेक लोगों की जान बचाई।

5. जी एस 173875 एन ओ ई एम ग्रेड-।। श्री सतीश कुमार, सीमा सड़क संगठन

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 11 अगस्त, 2008)

भारी वर्षा के कारण 11 अगस्तस, 2008 को सड़क से 67 किलोमीटर की दूरी पर एक बड़ा भूस्खलन हुआ। शुरू होने के समय से ही भूस्खलन बहुत तेज था। इसकी वजह से आदमी और मशीनों की सफाई करने के लिए लगाया जाना कठिन था। लगातार भारी पत्थरों के गिरने की वजह से इस घटना में छह लोगों की जान गई। चूंकि यह सड़क भूटान की जीवन रेखा के समान है अतः इसको साफ किया जाना आवश्यक था। तथापि, भारी खतरे को देखते हुए मिनिस्टर ऑफ भूटान ने जो मौके पर मौजूद थे, सबको भूस्खलन के पास जाने से मना कर दिया था।

इन परिस्थितियों में आपरेटर कार्यकारी मशीनरी, सतीश कुमार भूस्खलन को साफ करने के लिए स्वयं आगे आए। लुढ़कते हुए भारी-भारी पत्थरों से बेपरवाह, भीषण खतरे के बावजूद भी अपनी जान की चिंता किए बगैर उन्होंने अनुकरणीय साहस दर्शाया और भूस्खलन स्थल को साफ किया। अपनी जान पर बारंबार आ रहे जोखिम के बावजूद भी आपरेटर कार्यकारी, मशीनरी सतीश कुमार कई दिनों तक भूस्खलन साफ करते रहे जब तक कि सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो गई।

आपरेटर कार्यकारी मशीनरी ग्रेड-।। सतीश कुमार ने अनुकरणीय साहस, दृढ़ निश्चय तथा अपनी जान को जोखिम में डालने के मूल्य पर भी अपने दैनन्दिनी ड्यूटी से परे असाधारण कोटि के सेवा भाव का प्रदर्शन किया।

6. 9098809 लांस नायक सुभाष चन्दर, 10 जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 20 अगस्त, 2008)

20 अगस्त, 2008 को लांस नायक सुभाष चन्दर, आतंकवादियों को मारने के लिए शुरू की गई सैन्य टुकड़ी के स्काउट का नेतृत्व कर रहे थे। ये आतंकवादी मणिपुर में एक गांव से चलकर किसी अन्य गांव में एकत्रित हुए थे जिसकी सूचना अपने ही स्रोतों से मिली थी। यह टुकड़ी प्रतिकूल मौसम और घने जंगलों के बीच कंपनी आपरेटिंग बेस से चुपके से रवाना हुई। लगभग 1130 बजे लांस नायक सुभाष चन्दर ने सूझबूझ तथा बुद्धिमत्ता दिखाते हुए अपनी टुकड़ी को आतंकवादियों की संभावित चाल के बारे में सावधान किया। परिणामस्वरूप, गोलाबारी में उनकी टुकड़ी गांव में समीपता की वजह से पूरे नियंत्रण के साथ फायरिंग कर रही थी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी गांव वाले को चोट न लगे उन्होंने आतंकवादियों को जवाबी कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर दिया।

इस घेराबंदी में उनके जबड़े पर गोली लग गई। अपनी गंभीर चोट और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए उन्होंने गोलाबारी जारी रखी और दो आतंकवादियों को मार गिराया। बाद में लांस नायक सुभाष चंदर अपने ही चोट के कारण दिवंगत हो गए।

लांस नायक सुभाष चंदर ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में भारतीय सेना की उच्च परंपराओं के अनुरूप कर्तव्यपरायणता का कीर्तिमान स्थापित करते हुए बहादुरी और उच्च दर्जे के साहस का प्रदर्शन किया।

7. **आईसी-62272 मेजर रत्नेश कुमार सिंह, राजपूत रेजिमेंट/58 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 21 सितंबर, 2008)

21 सितंबर, 2008 को मेजर रत्नेश कुमार सिंह उस दल और खोज आपरेशन के सदस्य थे जो जम्मू एवं कश्मीर के रामबन जिले के सामान्य क्षेत्र में तैनात था। 1530 बजे, अफसर टुकडी के पास के खेतों में छिपे हुए आतंकवादियों ने उनकी टुकड़ी के ऊपर निशाना बनाकर गोलाबारी कर दी जिससे एक जवान हताहत हो गया। अफसर ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और गंभीर रूप से एक आतंकवादी को घायल कर दिया और दूसरे को काफी नजदीक से मार गिराया। इस बहादुरी भरे कारनामें से आतंकवादियों के हौसले पस्त हो गए जिससे घायल जवानों को निकाला जा सका और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की जा सकी। तीसरा आतंकवादी, इस बीच मुश्तैदी से लड़ाई में डटा रहा। अपने जवानों को मक्के के खेत में खतरे में फंसा देख अफसर अंधेरे के बावजूद भी घुटने के बल मक्के के खेत तक पहुंच गया और काफी करीब जाकर तीसरे आतंकवादी को मार गिराया।

मेजर रत्नेश कुमार सिंह ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में अद्वितीय बहादुरी, सखाभाव और सूझबूझ का प्रदर्शन किया।

8. **स्क्वाड्रन लीडर हरकीरत सिंह (26696) उड़ान (पायलट)**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 23 सितंबर, 2008)

23 सितंबर, 2008 को स्कवाड्रन लीडर हरकीरत सिंह को अंधेरी रात में बिसोन एयरक्राफ्ट पर दो एयर क्राफ्ट प्रेक्टिस इंटरसेप्शन सोर्टी को उड़ाने का आदेश मिला था। चार किलोमीटर की ऊंचाई पर अवरोधन चरण के दौरान जब पायलट ने बताई गई गति तक त्वरण पैदा करने के लिए रिहीट में लगा हुआ था तभी उसकी पेरिफरल विजन में एक फ्लैश दिखी और इंजन से तीन जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी। उन्होंने तुरंत इंजन को रिहीट करना बंद कर दिया। तथापि, प्रति मिनट के रोटेशन और जेट पाइप के ताप पर हवा पड़ती रही और इंजन से लाइट बाहर निकलने का संकेत मिलता रहा।

इसके परिणामस्वरूप जोर पड़ना पूरी तरह बंद हो गया, गति कम पड़ गई और इंजन नीचे उतरने लगा । उन्होंने हेड अप डिस्पले के ऊपर ऊंचाई संबंधी आंकड़े उड़ान खत्म होने और बहु कार्यशील डिस्पले भी देखे । इसके अलावा, काकपिट से रोशनी चली गई। केवल बैटरी चालित इमर्जेंसी फ्लड लाइट उपलब्ध बची थी । मरूस्थल में काली अंधेरी रात में जमीन पर कुछ जगहों पर ही दिखाई दे रही रोशनी और आकाश में दिखाई दे रहे तारों के बीच ध्यान कभी भी तेजी से बंट सकता है। इसके अलावा, यह भी समझा जा रहा था कि लपट निकलने जैसी अत्यधिक आकस्मिकता की स्थिति आ सकती है । इसमें भी मद्धिम काकपिट लाइट में उपलब्ध सीमित संख्या में हेड डाउन उपकरणों से ही भी डिसओरिएन्टेशन की स्थिति आ सकती थी । इन सबके साथ, लपट निकालता हुआ इंजन मिग-21 श्रेणी के एयरक्राफ्ट पर अत्यधिक संवेदनशील प्रकृति की इमर्जेंसी पायलट के समक्ष प्रस्तुत कर रहा था।

अत्यधिक आकस्मिकता महसूस करने के बावजूद भी स्कवाड्रन लीडर एच सिंह ने शांतिपूर्वक स्थिति का मूल्यांकन किया और बड़ी संजीदगी एवं नियंत्रित ढ़ंग से उस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। गति में तेजी से आ रही कमी को रोकने के लिए, उन्होंने तुरंत आक्रमण के कोण को कम कर दिया इस प्रकार एयर क्राफ्ट को रुकने की स्थिति में जाने से रोक दिया। इसके बाद बिना और विलंब किए उन्होंने फिर से रोशनी जलाने का कार्य शुरू किया। ऐसा करते हुए वे अंधेरी रात की स्थिति में एयरक्राफ्ट चलाने के कठिन काम को करते रहे। सफल रिलाइट और काकपिट की लाइट बहाल करने के बाद उन्होंने अपना जमीन पर सर्विलेंस रेडार एप्रोच द्वारा फाइनल एप्रोच की स्थिति में ग्राउंड कंट्रोल इंटरसेप्ट कंट्रोलर से सहायता के साथ आन बोर्ड नेविगेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया। पायलट ने इसके बाद अंधेरी रात में ओवरवेट लैंडिंग के लिए अगले चुनौतीपूर्ण कार्य का सामना किया। अंधेरी रात

की इस आकस्मिकता में एयरक्राफ्ट उतारने में उच्च कोटि के कौशल स्तर की आवश्यकता होती है। ऐसी प्रतिकूल दशा में बिल्कुल शांत मानसिक दशा में अनुकरणीय पायलटिंग कौशल से एयरक्राफ्ट को सफलतापूर्वक बहाल किया जा सका। इस एयरक्राफ्ट को बचाने का यह काम उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह परवाह न करते हुए किया। पायलट द्वारा किसी भी गलत इनपुट अथवा विलंबित कार्य से जानलेवा दुर्घटना हो सकती थी। उतरने के बाद, उन्होंने रनवे को साफ किया और स्वीच आफ किया। इस प्रकार दूसरे एयरक्राफ्ट को बचाया जा सका। उनकी त्वरित और सही कार्यवाही से प्रथम श्रेणी की एक बड़ी दुर्घटना को रोका जा सका और मूल्यवान एयरक्राफ्ट को बचाया जा सका।

स्कवाड्रन लीडर हरकीरत सिंह ने आपातस्थिति में सफलतापूर्वक कार्य करके अद्वितीय साहस का प्रदर्शन किया और एक बहुमूल्य संपत्ति की हिफाजत की।

9. **आईसी-64795 मेजर अंकुर गर्ग, इंजीनियर्स कोर/ 24 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 25 सितंबर, 2008)

जम्मू एवं कश्मीर में घुसपैठ कर रहे 13 आतंकवादियों के एक गिरोह को पकड़ने के लिए 24 सितंबर, 2008 को एक आपरेशन चलाया गया। मेजर अंकुर गर्ग ने 3500 फीट की उँचाई पर अपनी छोटी टुकड़ी के साथ नेतृत्व किया।

काफी उबड़-खाबड़ भूक्षेत्र तथा प्रतिकूल मौसमी दशाओं में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हुई जिसमें मेजर अंकुर गर्ग और उनकी टुकड़ी को आतंकवादियों के भागने से रोकने के लिए बिछाए जा रहे घेरे का एक हिस्सा बनाया गया।

25 सितंबर, 2008 को लगभग 0230 बजे फंस गए 13 आतंकवादियों में से 2, घेरे को तोड़ने के उद्देश्य से बिना शिनाख्त हुए ही सही स्थिति में पहुंच गए और उनकी टुकड़ी के ऊपर अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी। वे आतंकवादियों की इस चाल से सन्निहित खतरे को भांप गए और अपने मातहतों तथा पूरे आपरेशन को बता दिया। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बगैर उन्होंने आतंकवादी की गोली की दिशा में चार्ज किया गया कवर छोड़ दिया और गुत्थमगुत्था की लड़ाई में उनका सफाया किया । इस पर घुसपैठ के लिए प्रयास किए जा रहे प्रयास को रोक दिया गया। इस बहादुरी भरे कारनामें की वजह से आतंवादियों के हौसले पस्त हो गए और वे घेरे को तोड़कर भागने से रह गए। इस प्रकार बाकी बचे 11 आतंकवादियों का सफाया किया गया।

मेजर अंकुर गर्ग ने इस प्रकार आतंकवादियों का सामना करने में उत्कृष्ट बहादुरी और अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

10. **आई सी 62248 मेजर सौरव दत्त खोलिया, कवचित कोर/22 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 09 अक्तूबर, 2008)

एक घर में आतंकवादियों के होने के बारे में विशेष सूचना प्राप्त होने पर 09 अक्तूबर, 2008 को जम्मू एवं कश्मीर में एक गांव में घेरा डालने और खोज करने का आपरेशन शुरू किया गया। मेजर सौरव दत्त खोलिया ने स्थल का व्यक्तिगत रूप से चुनाव किया और अपनी टुकड़ी के साथ लक्षित घर जिसमें आतंकवादियों के छिपे थे के चारों और जबरदस्त घेरा डाल दिया। आतंकवादियों द्वारा भारी गोलाबारी शुरू कर दी गई। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर अफसर रेंगकर गया और एक-एक करके तीन तत्काल विस्फोट होने वाले उपकरण लगा दिए। उन्होंने बड़ी बुद्धिमानी से काम किया और आम नागरिकों को हताहत होने और साथ ही होनेवाले नुकसान

को होने से बचाया। अफसर अडिग साहस के साथ आतंकवादियों से आमने-सामने की गोलाबारी में लगा रहा और अकेले ही दो दुर्दांत आतंकवादियों को मार गिराया जिसमें से एक उत्तरी कश्मीर में आतंकवादी सरगने का चीफ आपरेशन कमांडर था।

मेजर सौरव दत्त खोलिया ने आंतकवादियों के विरुद्ध लड़ने में भारी प्रतिकूल स्थिति होने के बावजूद भी अदम्य साहस और अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया ।

11. **15330627 लांस नायक सुजीत बाबू वी, इंजीनियर्स कोर/38 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 14 अक्तूबर, 2008)

लांस नायक सुजीत बाबू वी उस दल के सदस्य थे जो जम्मू एवं कश्मीर में "आपरेशन रक्षक" के दौरान तैनात था।

13/14 अक्तूबर, 2008 को सूचना मिली की जम्मू एवं कश्मीर के पूंछ जिले के एक गांव में दुर्दांत आतंकवादी सरगना का रिजनल कमांडर जम्मू रीजन में मौजूद है। उसके छिपने की जगह एक चट्टान के नीचे थी जिसके लिए एक पतला रास्ता था। जब रास्ते को खोलने के लिए सभी प्रयास विफल हो गए तब लांस नायक सुजीत बाबू वी एक वैकल्पिक रास्ता खोलने के लिए प्रयास करने तथा आतंकवादियों को पकड़ने के लिए स्वयं ही आगे आए। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और रास्ते को खोलने के लिए दो गोलाबारूद लगा दिया। वह तीसरा बारूद रखने के लिए रेंगकर जा रहे थे तभी आतंकवादी ने अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी। लांस नायक सुजीत बाबू वी को बंदूक की गोलियों से कई चोटें आई। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना और आतंकवादी की गोलाबारी में साहस का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने अपनी चोटों का शिकार बनने से पहले तीसरे गोले को भी लगा दिया और उसे सक्रिय कर दिया। इसके फलस्वरूप चट्टान के नीचे रास्ते का मुंह चौड़ा हो गया और दुर्दांत आतंकवादी का सफाया किया जा सका।

लांस नायक सुजीत बाबू वी ने चुनौतीपूर्ण ढंग से वीरता एवं समर्पण का प्रदर्शन किया और अपना सर्वस्व न्यौछावर किया।

12. **आईसी-57104 मेजर दिनेश सिह परमार, 2 सिख लाइट इंफैंट्री**

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 18 अक्तूबर, 2008)

18 अक्तूबर, 2008 को पुष्ट आसूचना रिपोर्ट के आधार पर मेजर दिनेश सिंह परमार जम्मू एवं कश्मीर के राजौरी जिले के एक गांव में एक आपरेशन के दौरान खोजी दल का नेतृत्व कर रहे थे।

0955 बजे सर्च टुकड़ी के ऊपर के पुर्नप्रवेश वाले एक छिपने की जगह से आतंकवादियों ने भीषण गोलाबारी शुरू कर दी। मेजर परमार ने, तुरंत अपनी टुकड़ी को पोजीशन में लिया और आतंकवादियों के भाग निकलने के सारे रास्ते रोक दिए। तथापि, उनकी अपनी गोली आतंकवादियों जो ऐ के-47 और ग्रेनेड लांचर से लैस अपनी टुकड़ी के साथ गोलाबारी में संलग्न थे पर बेकार साबित हो रही थी। अपनी टुकड़ी पर गंभीर खतरा महसूस करते हुए, अपने साथियों से प्राप्त सुरक्षा फायर की मदद से अफसर ने घेरे को तोड़ दिया और बड़ी युक्ति के साथ नाले की ओर बढ़ गया और उनके छिपने की जगह पर जोरदार गोलाबारी कर दी और एक आंतकवादी को मार गिराया। फिर भी भारी गोलाबारी की वजह से अन्य आतंकवादियों के साथ भिड़ने से वे वंचित रहे। स्थिति का मूल्यांकन करते हुए तथा वास्तविक स्थिति का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने के बाद वे आड़ा होकर उस छिपने की जगह पर पहुंच गए। गोपन के पास पहुंचने में आतंकवादियों की गोली से पेट पर गंभीर चोट के बावजूद भी वे

वहां तक पहुंच गए और अंदर की तरफ ग्रेनेड फैंक दिए। इस प्रकार दूसरे आतंकवादी का भी सफाया हो गया और उसने ग्रेनेड लांचर फायर को अत्यधिक रक्त बह निकलने के कारण सुरक्षित स्थान पर हटाए जाने से पहले ग्रेनेड लांचर को निष्क्रिय कर दिया।

मेजर दिनेश सिंह परमार ने अटूट साहस, हिम्मत और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया तथा कर्तव्य से ऊपर उठकर काम किया।

13. आई सी 63089 मेजर सुभरामन्यम आन्नद, 4 सिख लाइट इंफैंट्री

(पुरस्कार के प्रभावी होने की तारीख : 25 अक्तूबर, 2008)

25 अक्तूबर, 2008 को मिली एक सूचना के आधार पर कि असम के नलबाड़ी जिले के एक गांव में कुछ आतंकवादी हथियारों की खरीद-फरोख्त के लिए एकत्रित हो रहे हैं, एक सुविचारित एवं सुनियोजित आपरेशन की योजना बनाई गई तथा उसे किया गया। लगभग 2120 बजे छापामार दल उत्तर की ओर से लक्ष्य क्षेत्र के पास पहुंच गया। लक्ष्य क्षेत्र से लगभग 50 मीटर की दूरी पर कुछ लोग अंधाधुंध गोलाबारी करते हुए परिसर से बाहर आए। एक अलक्षित गोली मेजर आन्नद को लग गई। अफसर ने इस सदमें से विचलित हुए बिना ततक्षण बुद्धिमता का परिचय देते हुए अपनी टुकड़ी को दो भागों में बांट दिया ताकि भाग रहे आतंकवादियों को पीछा किया जा सके। अफसर ने एक टुकड़ी का नेतृत्व स्वयं किया और जब आतंकवादी नहीं रूके तो अफसर ने अपनी स्थिति संभाली और आतंकवादियों में से एक के ऊपर गोली दाग दी।

आतंकवादी को घायल कर दिया गया परंतु इससे पहले कि वह संपर्क को खत्म करने के लिए ग्रेनेड फैंकता अफसर ने उसे गोलियों की बौछार से शांत कर दिया। इस बीच दो अन्य आतंकवादियों ने आड़ ले ली थी और अंधाधुंध गोलाबारी करने लगे थे। अपने साथी के गोलाबारी की आड़ में यह अफसर 30 मीटर तक घुटने के बल रेंगकर गया और एक-एक करके दोनों आतंकवादियों का सफाया कर दिया। उनके पास से हथियार, गोलाबारूद और अन्य उपकरण तथा भंडार बरामद कर लिए गए।

मेजर सुभरामन्यम आन्नद ने आतंकवादियों के विरूत्र लड़ाई में उत्कृष्ट अनुकरणीय साहस और वीरता का प्रदर्शन किया।

14. आईसी-61857 मेजर मनु शुक्ला, तोपखाना रेजिमेंट/11 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 27 अक्तूबर 2008)

मेजर मनु शुक्ला ने किश्तवाड़ (जम्मू-कश्मीर) जिले के एक गांव में 23-28 अक्तूबर 2008 तक एक ऑपरेशन चलाया। उन्होंने 23 अक्तूबर 2008 को 23 कि.मी. से अधिक की दूरी पर ऊबड़-खाबड़ भू-प्रदेश में आत्म-निर्भर दस्ते का नेतृत्व किया तथा अत्यधिक खराब मौसम में 48 घण्टे तक लक्षित क्षेत्र की निगरानी की।

27 अक्तूबर 2008 को 0745 बजे एक आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बाहर आया जिसे इस अफसर द्वारा बिल्कुल नजदीक से मार गिराया गया। इस बीच छिपने के ठिकाने से बाकी आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की। अपने सैनिकों के प्रति खतरे को भांपते हुए, अफसर ने युक्तिचालन से छिपने के ठिकाने पर हथगोले फैंके जो फटे नहीं तथा अफसर आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के सामने आ गए जो छिपने के ठिकाने से बाहर निकल गए। करो या मरो की स्थिति में उन्होंने अत्यधिक बहादुरी से कार्रवाई की तथा नजदीक से दोनों आतंकवादियों को मार गिराया।इस बीच बाकी दो आतंकवादी शिलाखण्डों की आड़ लेकर बच निकले। इस अफसर

ने तुरंत अपने दल को पुनर्स्थापित किया जिसके परिणामस्वरूप दोनों आतंकवादी मारे गए। मेजर मनु शुक्ला ने आतंकवादियों से लड़ाई में असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया।

15. **स्क्वाड्रन लीडर तरुण कुमार चौधरी (25871), उड़ान (पायलट)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 नवंबर 2008)

14 नवंबर 08 को स्क्वाड्रन लीडर तरुण कुमार चौधरी को सीमा सुरक्षा बल के तीन हताहतों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों तथा चुनाव आयोग के अधिकारियों को ले जाने का कार्य सौंपा गया था । स्क्वाड्रन लीडर चौधरी 08 नवंबर 2008 से छत्तीसगढ़ में सफलतापूर्वक प्रचालन कर रहे थे। उनके नेतृत्व, साहस तथा कार्य प्रवीणता गुणों के कारण उन्हें हेलिकॉप्टर के कैप्टन के रूप में चुना गया था। राष्ट्रविरोधी तत्वों की हिंसा के कारण छत्तीसगढ़ के अशांत क्षेत्रों में नियमित उड़ान ऑपरेशनों में व्यस्त होने के बावजूद राज्य में योजनागत चुनाव प्रक्रिया की दिशा में अत्यधिक योगदान करते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ में सफलतापूर्वक कार्य करते हुए अपनी हिम्मत और योग्यता को सिद्ध किया। हेलिपैड पर उतरने तथा कार्मिक और उपस्करों को ले जाने के पश्चात 14 नवंबर 08 को उड़ान भरने के दौरान उनके हेलिकॉप्टर पर छोटे हथियारों तथा हल्की मशीनगनों से भारी गोलीबारी हो गई । हेलिकॉप्टर के मुख्य रोटर ब्लेडों, ईंधन टैंक तथा टेलबूम को भारी नुकसान हुआ। विमान को हुए नुकसान तथा शीघ्रता से हो रहे अंधेरे के कारण स्क्वाड्रन लीडर चौधरी ने गोलीबारी के बीच सर्वोच्च साहस का प्रदर्शन किया और विमान को कुशलता से संभाला तथा बड़े धैर्य के साथ विमान की उड़ने की योग्यता का सही-सही आकलन किया तथा निकटवर्ती एएनई की उपस्थिति के कारण प्रतिकूल भू-स्थिति का आकलन करके हेलिकॉप्टर को सुरक्षापूर्वक उड़ाकर वापस जगदलपुर ले गए। साहस, धैर्य और सूझबूझ के इस कार्य की वजह से हेलिकॉप्टर में सवार पंद्रह व्यक्तियों तथा वोटिंग मशीनों, जो सरकारी संपत्ति है को बचाया तथा एएनई के काम के लिए प्रतिकूल प्रचार सामग्री को टाला।

स्क्वाड्रन लीडर तरुण कुमार चौधरी ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों की ओर से हो रही गोलीबारी के बीच असाधारण साहस तथा प्रतिकूल परिस्थिति में नेतृत्व तथा धैर्य का प्रदर्शन किया।

16. **776951 सार्जेंट मुस्तफा अली, फ्लाइट इंजीनियर (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 नवंबर 2008)

फ्लाइट इंजीनियर के रूप में तैनात सार्जेंट मुस्तफा अली वाले हेलिकॉप्टर को 14 नवंबर 2008 को राष्ट्र-विरोधी तत्वों से प्रभावित हेलिपैड से सीमा सुरक्षा बल के तीन हताहत कार्मिकों को बचाने का कार्य सौंपा गया था। सार्जेंट अली चुनाव ड्यूटी के लिए 08 नवंबर 2008 से छत्तीसगढ़ में कार्य कर रहे थे। इस कार्य के लिए तैनात किए जाने पर सार्जेंट अली ने इस बात की जानकारी होने के बावजूद कि सुरक्षा कार्मिकों, चुनाव ड्यूटी अधिकारियों तथा सरकारी संपत्ति पर नक्सलियों द्वारा हिंसक आक्रमणों की बार-बार की घटनाओं के कारण छत्तीसगढ़ एक अशांत क्षेत्र था मिशन शुरू करने का कार्य खुशी-खुशी स्वेच्छा से किया। सुदृढ़ सुरक्षा परिदृश्य तथा रह-रह कर होने वाली हिंसा के बावजूद विमान ने 14 नवंबर 2008 तक सफलतापूर्वक कार्य किया जिससे छत्तीसगढ़ में निर्बाध रूप से बुनियादी लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया में मदद हुई। जीवन को खतरा होने के बावजूद सार्जेंट अली ने मिशन शुरू किया। हेलिकॉप्टर को हेलिपैड से हताहतों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन तथा चुनाव आयोग के कार्मिकों को ले जाने के लिए व्यावसायिक ढंग से उड़ाया गया। कार्मिक तथा उपस्करों को ले जाने के बाद हेलिपैड से उड़ान भरते समय हेलिकॉप्टर पर जमीन से राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा छोटे हथियारों तथा मशीनगनों से भारी गोलीबारी की गई । इनमें से एक गोली से सार्जेंट मुस्तफा अली घातक रूप से घायल हो गए।

सार्जेंट मुस्तफा अली ने प्रतिकूल सुरक्षा परिस्थितियों में राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्यपरायणता के लिए अपने जीवन को न्योछावर करने में अदम्य साहस का प्रदर्शन किया।

17. **2792266 नायक पवार चंद्रभान भिकन, 7 मराठा लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 17 नवंबर 2008)

17 नवंबर 2008 को नायक पवार चंद्रभान भिकन जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिला के जनरल क्षेत्र में तलाशी दस्ते में शामिल थे। सहायता दल में लाइट मशीन गन नंबर I नायक पवार ने असाल्ट राइफल के लिए अपना हथियार तान लिया तथा तलाशी दल में शामिल हो गया। 1255 बजे नायक पवार ने लगभग तीन मीटर की दूरी पर सामने एक शिलाखण्ड के नीचे छुपे हुए आतंकवादी को देखा जो गोलीबारी करने के लिए तैयार था जिसको किसी ने नहीं देखा था। अपने साथियों के प्रति खतरे को भांपते हुए व्यक्तिगत सुरक्षा की बिलकुल भी परवाह न करते हुए नायक पवार ने निर्बाध गोलीबारी करके आतंकवादी पर आक्रमण कर दिया जिससे आतंकवादी उससे उलझने के लिए मजबूर हो गए, इस प्रकार उनके साथी बच गए। गुत्थमगुत्था की लड़ाई में नायक पवार ने आतंकवादी को मार डाला परंतु गोलियों के घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए।

नायक पवार चंद्रभान भिकन ने गोलीबारी के दौरान वीरता तथा साहस का प्रदर्शन किया और जीवन को दांव पर लगाकर विलक्षण कर्त्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया।

18. **2599664 लांस हवलदार लुईस पेरियारा नायागम, मद्रास रेजिमेंट/8 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 दिसंबर 2008)

लांस हवलदार लुईस पेरियारा नायागम जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के जनरल एरिया में शिलाखण्डों में छिपे आतंकवादियों को बच निकलने से रोकने के लिए स्थापित किए गए घेरे में शामिल थे। उक्त व्यक्ति ने अपनी छोटी सी टीम का नेतृत्व करते हुए 18 दिसंबर 08 को अचूक गोलीबारी करके आतंकवादियों को दबोच लिया तथा अंधेरा और ठंड का फायदा उठाकर बच निकलने के उनके प्रयास को विफल कर दिया।

प्रात: ही वह स्वेच्छा से आगे बढ़े क्योंकि आतंकवादियों ने हथगोला आक्रमण तथा छोटे हथियार से गोलीबारी से बचाव कर रखा था। भारी गोलीबारी के बीच वह बगल से रेंगकर शिलाखण्डों की तरफ गए तथा हथगोला फेंका जिससे वांछित परिणाम नहीं आए। इस बात को महसूस करते हुए वह उस शिलाखण्ड पर चढ़े जिसकी आतंकवादियों ने आड़ ले रखी थी और उसका साथी गोलीबारी से सहायता कर रहा था। आतंकवादियों को निकालने हेतु उन्होंने अपने साथी से शिलाखण्डों के नीचे हथगोले फेंकने के लिए कहा। हथगोले के फटने पर, व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना वह शिलाखण्ड से दो आतंकवादियों पर टूट पड़ा तथा अकेले ही उनको मार डाला।

लांस हवलदार लुईस पेरियारा नायागम ने आतंकवादियों से लड़ाई में उच्च दर्जे की दृढ़ता, अडिग साहस तथा अथक परिश्रम का प्रदर्शन किया।

19. **9107449 राइफलमैन मोहम्मद अब्दुल अमीन भट्ट, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/57 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 28 जनवरी 2009)

28 जनवरी, 2009 को जम्मू-कश्मीर के एक गांव में आतंकवादियों के होने की खास सूचना के आधार पर एक घेरा तथा तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया था। घर की तलाशी लेते समय राइफलमैन मोहम्मद अब्दुल अमीन भट्ट ने लगभग 0830 बजे संदिग्ध गतिविधि को देखा। व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना वह छुपे

हुए आतंकवादियों की ओर बढ़े। आतंकवादियों के द्वारा की जा रही गोलीबारी के बावजूद फौलादी इरादों तथा उत्कृष्ट रण-कौशल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराया जिसकी पहचान एक गैर कानूनी आतंकवादी संगठन के बटालियन कमांडर के रूप में हुई। आतंकवादी गोलीबारी के समक्ष अडिग निश्चय का प्रदर्शन करते हुए वह बिजली की सी कौंध के साथ आगे बढ़े तथा बहादुरीपूर्ण कार्रवाई करते हुए अकेले ने ही दूसरे आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। फिर वह घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए। उन्होंने अपने पार्टी कमांडर का जीवन बचाया जो आतंकवादियों की गोलीबारी के सामने थे। उनकी बहादुरीपूर्ण कार्रवाई से टीम को प्रेरणा मिली जिसके परिणामस्वरूप दो कट्टर आतंकवादियों का सफाया हुआ।

राइफलमैन मोहम्मद अब्दुल अमीन भट्ट ने आतंकवादियों से लड़ाई में अद्वितीय वीरता, अदम्य साहस, पहलशक्ति, दृढ़निश्चय का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान किया।

20. **एसएस-42427 लेफ्टिनेंट चुण्डावत प्रशांत सिंह, 16 जाट रेजिमेंट**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 मार्च 2009)

लेफ्टिनेंट चुण्डावत प्रशांत सिंह को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आतंकवादी घुसपैठ के संबंध में जब सामान्य सूचना मिली वह क्षेत्र दबदबा गश्त पर थे। एकनिष्ठ समर्पण तथा दृढ़ निश्चय के साथ उन्होंने ऊबड़-खाबड़ भू-प्रदेश तथा अत्यधिक बर्फ में से छह घंटे तक आतंकवादियों का पीछा किया। उन्होंने बच निकलने के रास्तों को रोकने के लिए अन्य दलों का भी मार्गदर्शन किया। 20 मार्च 2009 को 0630 बजे आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी की जिससे उनके तीन सैनिक घायल हो गए तथा स्वयं को हेलमेट पर गोली लगी। आतंकवादी फायदे की स्थिति में थे। वह बगल से होकर बर्फ और घनी झाड़ियों से रेंगकर आगे बढ़े तथा एक हथगोला फेंका। उन्होंने एक आतंकवादी को निकट की लड़ाई में ठंडा कर दिया। अनुकरणीय साहस के साथ वह दूसरे आतंकवादी के निकट आए जिसने अन्य सैनिक को घायल किया था उसको गुत्थमगुत्था की लड़ाई में मार गिराया। लेफ्टिनेंट चुण्डावत प्रशांत सिंह ने अत्यधिक कठिन परिस्थितियों में सात दिन का ऑपरेशन सफल होने तक नेतृत्व प्रदान किया जिसके परिणामस्वरूप पांच विदेशी आतंकवादियों का सफाया हुआ।

लेफ्टिनेंट चुण्डावत प्रशांत सिंह ने आतंकवादियों की गोलीबारी के बीच अदम्य साहस, हिम्मत तथा बहादुरी का प्रदर्शन किया।

21. **9101356 हवलदार राकेश कुमार, 1 पैराच्यूट रेजिमेंट, (विशेष बल) (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 21 मार्च 2009)

उत्तरी कश्मीर के घने जंगलों में घुसपैठ कर रही टुकड़ी का पीछा करते समय 21 मार्च 2009 को हवलदार राकेश कुमार तथा अन्य सैनिकों पर आतंकवादियों द्वारा भारी गोलीबारी कर दी गई जिसके परिणामस्वरूप दल के नेता सहित गंभीर रूप से हताहत हो गए। निर्भीक रहते हुए उन्होंने स्थिति को अपनी कमान में लिया तथा अपने दस्ते को शीघ्रता से तैनात किया तथा आतंकवादियों को मशीनगन से कारगर गोलीबारी करके उलझाया। व्यक्तिगत सुरखा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए अंधाधुंध तथा सघन गोलीबारी के बीच वह रेंगकर घायल कमांडो के पास गए तथा उनमें से तीन को सुरक्षित बचाया। इस प्रक्रिया में उन्हें गोलियों के कई घाव लगे परंतु आगे रहकर नेतृत्व करते हुए उन्होंने आतंकवादियों पर गोलीबारी जारी रखी तथा हथगोला फेंककर उनमें से दो को मार डाला। निःस्वार्थ तथा साहसिक कार्रवाई से आतंकवादियों का ध्यान बंट गया तथा इसके परिणामस्वरूप उनके साथियों को सुरक्षा मिली।

हवलदार राकेश कुमार ने दल भावना, सखा भाव तथा धैर्य का प्रदर्शन किया तथा आतंकवादियों से लड़ते समय भारतीय सेना की उच्चतम परम्पराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान किया।

22. **13625790 नायक मनोज सिंह, 1 पैराच्यूट रेजिमेंट, (विशेष बल) (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 22 मार्च 2009)

नायक मनोज सिंह उत्तरी कश्मीर में कार्यरत उनके दल के आक्रमण दस्ते के सदस्य थे। 22 मार्च 2009 को उनके दस्ते को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के एक गांव तक जंगल की ओर से आने वाले रास्ते पर दबदबा बनाए रखने का कार्य सौंपा गया था। लम्बे समय तक निगरानी करने के पश्चात, उन्होंने रास्ते पर संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने संदिग्धों को ललकारा जिस पर उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस प्रकार हुई गोलीबारी की लड़ाई में उनको स्वचालित हथियारों से गोलियों की बौछार लगी तथा एक गोली उनके व्यक्तिगत हथियार पर लगी जिससे वह खराब हो गया। अपने दल के सदस्यों की सुरक्षा के संबंध में चिंतित होकर उन्होंने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना हथगोला फेंकते हुए वह आतंकवादियों पर टूट पड़े तथा एक आतंकवादी का तुरंत काम तमाम कर दिया परंतु इस कार्रवाई के दौरान उनको गोलियों के अनेक घाव लगे। अडिग रहते हुए लहूलुहान उन्होंने दूसरे आतंकवादी को रणनीतिक कौशल से मात दी तथा घावों के कारण वीरगति को प्राप्त होने से पूर्व गुत्थमगुत्था की लड़ाई में उसे अपनी पिस्तौल से मार गिराया।

नायक मनोज सिंह ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में अनुकरणीय साहस तथा असाधारण दर्जे की वीरता का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान किया।

23. **2795178 सिपाही हनमन्त महादेव येवले, 2 मराठा लाइट इन्फैंट्री**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 22 मार्च 2009)

सिपाही हनमन्त महादेव येवले अत्यधिक हथियारों से लैस विदेशी आतंकवादियों के एक बड़े समूह के बच निकलने के रास्ते को काटने के लिए ऊबड़-खाबड़ तथा बर्फीले भू-प्रदेश में तैनात एक दल के सदस्य थे। 22 मार्च 2009 को लगभग 0100 बजे दल पर भारी गोलीबारी हो गई तथा इसे घेर लिया गया। व्यक्तिगत सुरक्षा की किंचित भी परवाह किए बिना सिपाही हनमन्त महादेव येवले बर्फ तथा घनी झाड़ियों के बीच से एक ऊंचे स्थान पर पहुंचे। वह बगल से आतंकवादियों के पास पहुंचे तथा कारगर गोलीबारी की। अप्रत्याशित दिशा से हुए आक्रमण से अचंभित आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की। सिपाही हनमन्त महादेव येवले ने नजदीक से एक आतंकवादी को मार दिया तथा दूसरे आतंकवादी का नाले तक पीछा किया। उन पर भारी गोलीबारी हो गई परंतु अडिग रहते हुए उन्होंने रणकौशल से दूसरे आतंकवादी को घेर लिया तथा गुत्थमगुत्था की लड़ाई में उसे निष्क्रिय कर दिया।

सिपाही हनमन्त महादेव येवले ने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में अडिग साहस तथा बहादुरी का प्रदर्शन किया।

24. **4427599 सिपाही रूपम गोगोई, असम रेजिमेंट/42 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 28 मार्च 2009)

28 मार्च 2009 को 0900 बजे जम्मू-कश्मीर के जंगल में तलाशी तथा सफाया ऑपरेशन के दौरान सिपाही रूपम गोगोई ने घने जंगल तथा कठिन पहाड़ी रास्ते को पार करते हुए एक छिपने के ठिकाने का पता लगाया तथा पास में ही दो आतंकवादियों को देखा। सिपाही रूपम गोगोई ने अदम्य साहस तथा युद्धक सतर्कता का प्रदर्शन

करते हुए आतंकवादियों को ललकारा। इस हिम्मतभरी चाल से हैरान हो कर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा इस गोलीबारी की लड़ाई में सिपाही रूपम गोगोई का गोलीरोधी पटका पहने होने के बावजूद सिर गंभीर रूप से घायल हो गया। घाव की परवाह न करते हुए तथा सुरक्षित स्थान पर ले जाने से मना करते हुए वह आतंकवादी के पास खतरनाक ढंग से गए तथा अद्वितीय बहादुरीपूर्ण कार्रवाई करते हुए बिल्कुल नजदीक से एक आतंकवादी को गर्दन में गोली मारकर मार गिराया। वह बेहोश होने तक निडरता से डटे रहे तथा बाद में अस्पताल में घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए।

सिपाही रूपम गोगोई की शहादत मातृभूमि की रक्षा में वीरता तथा देशभक्ति का बेमिसाल उदाहरण है।

25. **13622147 हवलदार विपन ठाकुर, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 अप्रैल 2009)

हवलदार विपन ठाकुर जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिला के जनरल एरिया में तलाशी तथा सफाया अभियान चला रहे स्क्वाड के स्क्वाड कमांडर थे। एक दुर्दांत आतंकवादी समूह के श्रेणी "क" डिवीजनल कमांडर (उत्तरी कश्मीर) तथा उसके उप-कमांडर के उपस्थित होने की विशिष्ट सूचना के आधार पर हवलदार विपन ठाकुर ने संदिग्ध क्षेत्र की तलाश करने के लिए अपने स्क्वाड का नेतृत्व किया। 05 अप्रैल 2009 को स्क्वाड पर गोलीबारी की भारी बौछार हुई । अपने स्क्वाड के प्रति गंभीर खतरे को भांपते हुए बड़े धैर्य के साथ व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना हवलदार विपन ठाकुर ने आतंकवादी गोलीबारी को रोकने के लिए अपने स्क्वाड को रणकौशल से तैनात किया तथा वह स्वयं नजदीक से आतंकवादियों को उलझाता रहा। ऐसा करते समय उन पर आतंकवादियों की तरफ से अचूक गोलीबारी हो गई तथा जांघ और सिर गंभीर रूप से घाल तथा लहूलुहान होने के बावजूद, अदम्य साहस तथा अडिग निश्चय का दुर्लभ प्रदर्शन करते हुए उन्होंने आतंकवादियों की ठीक-ठीक स्थिति का पता लगाया तथा युद्ध कौशल से ठिकाने के निकट आए तथा दोनों आतंकवादियों को घावों के कारण वीरगंति को प्राप्त होने से पूर्व मार गिराया।

हवलदार विपन ठाकुर ने, इस प्रकार, आतंकवादियों के साथ लड़ाई में अदम्य साहस तथा अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान किया।

26. **जेसी-74651 नायब सूबेदार गनेश नाथ, 7 असम राइफल**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 अप्रैल 2009)

नगालैंड के जनरल एरिया में एक ऑपरेशन के दौरान नायब सूबेदार गनेश नाथ स्टॉप पार्टी के कमांडर थे। कुछ सशस्त्र काडरों की गतिविधि के बारे में सूचना मिलने पर नायब सूबेदार गनेश नाथ 10 अन्य रैंकों के साथ अपने सैनिकों को रणनीतिक ढंग से हरकत में लाए तथा एक घात को पुनर्व्यवस्थित किया। 14 अप्रैल 2009 को लगभग 0215 बजे नायब सूबेदार गनेश नाथ ने मछली फार्मों में कुछ गतिविधि को देखा। ललकारे जाने पर संदिग्ध आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। हमारे सैनिकों ने गोलीबारी का जवाब दिया परंतु गोलीबारी कारगर नहीं रही क्योंकि आतंकवादियों ने एक बांध के पीछे आड़ ले रखी थी। व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए नायब सूबेदार गनेश नाथ भारी गोलीबारी के बीच 50 मीटर आतंकवादियों की तरफ रेंगकर गए तथा गोलीबारी करके उनमें से दो को मार गिराया । इस कार्रवाई के दौरान उनके बाएं पैर में गोली लगी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने अपने व्यक्तिगत हथियार से बाकी बचे आतंकवादी पर निशाना साधा तथा उसका भी सफाया करने में सफल हो गए।

नायब सूबेदार गनेश नाथ ने आतंकवादियों के विरुद्ध तीव्र व अचूक कार्रवाई करने में अडिग निःस्वार्थ समर्पण अपरम्परागत योजनाकरण तथा साहसिकता का प्रदर्शन किया।

बरूण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 115-प्रेज/2009 - राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसिक कार्यों के लिए **'सेना मेडल/आर्मी मेडल-बार'** प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:-

1. आईसी-55235 लेफ्टिनेंट कर्नल चेकुरि श्रीनिवास वर्धन, सेना मेडल, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

2. जी/75320 हवलदार जतिन चन्द्र फुकन, सेना मेडल, 7 असम राइफल

बरूण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 116-प्रेज/2009 - राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसिक कार्यों के लिए **'सेना मेडल/आर्मी मेडल'** प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:-

1. आईसी-49137 कर्नल दीपक शर्मा, सिख रेजिमेंट/32 असम राइफल

2. आईसी-56123 मेजर सौरभ शाह, डोगरा रेजिमंट/मुख्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड

3. आईसी-57120 मेजर निनाद रमेश कुलकर्णी, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/31 राष्ट्रीय राइफल

4. आईसी-58523 मेजर मुकुल चौहान, 158 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) (एच एंड एच) सिख लाइट इन्फैंट्री

5. आईसी-58612 मेजर विरेन्द्र सिंह सलारिया, शौर्य चक्र, 10 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

6. आईसी-59700 मेजर मानस सदानन्द दीक्षित, 28 मद्रास रेजिमेंट

7. आईसी-60148 मेजर पुनर प्रीत सिंह मान, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/21 राष्ट्रीय राइफल

8. आईसी-60744 मेजर चन्द्रमौली सिंह परमार, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

9. आईसी-60910 मेजर राजेश कुमार सिंह, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/21 राष्ट्रीय राइफल

10. आईसी-61360 मेजर नवीन राजन, पंजाब रेजिमेंट/22 राष्ट्रीय राइफल

11. आईसी-61802 मेजर विजय रावत, राजपूत रेजिमेंट 34 असम राइफल

12. आईसी-61915 मेजर नागेश ढोंडियाल, कर्वाचित कोर/55 राष्ट्रीय राइफल

13. आईसी-62150 मेजर कमल थापा, कुमाऊं रेजिमेंट/60 राष्ट्रीय राइफल

14. आईसी-62797 मेजर अरुण पाण्डे, डोगरा रेजिमेंट/11 राष्ट्रीय राइफल

15. आईसी-62922 मेजर अक्षय सिंह, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/23 असम राइफल

16. आईसी-63439 मेजर अमित महाजन, तोपखाना रेजिमेंट/11 राष्ट्रीय राइफल

17. आईसी-63558 मेजर तुषार शर्मा, असम रेजिमेंट/16 असम राइफल

18. आईसी-64194 मेजर अजय पटियाल, जम्मू-कश्मीर राइफल/52 राष्ट्रीय राइफल

19. आईसी-64304 मेजर मोहम्मद जबीउल्ला, सिगनल कोर/44 असम राइफल

20. आईसी-64754 मेजर अमोल मोने, सिगनल कोर/16 असम राइफल

21. आईसी-64896 मेजर कृष्णा कांथ पी, पंजाब रेजिमेंट/53 राष्ट्रीय राइफल

22. आईसी-64919 मेजर सिधार्थ सिंह विरदी, राजपूत रेजिमेंट/44 राष्ट्रीय राइफल

23. आईसी-65351 मेजर अश्वनी कुमार रैना, कवचित कोर/23 असम राइफल

24. आईसी-65434 मेजर कुमार अभिजीत बनर्जी, कवचित कोर/22 राष्ट्रीय राइफल

25. आईसी-65440 मेजर नवदीप सिधु, राजपूत रेजिमेंट/44 राष्ट्रीय राइफल

26. एसएस-39094 मेजर सुमेध कुमार, 23 पंजाब रेजिमेंट

27. एसएस-40579 मेजर दीपक कुमार तिवारी, सिख रेजिमेंट/6 राष्ट्रीय राइफल

28. एससी-00137 मेजर राजिन्दर कुमार शर्मा, कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र, ग्रेनेडियर्स/28 असम राइफल

29. एससी-00364 मेजर राजिन्दर कुमार सैनी, तोपखाना रेजिमेंट/7 असम राइफल

30. आईसी-64526 कैप्टन अरून टाम शबश्टीयन, ग्रेनेडियर्स/55 राष्ट्रीय राइफल

31. आईसी-66817 कैप्टन रविराज बालकृष्ण नलावडे, 21 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

32. आईसी-67628 कैप्टन अभिमान पत्तार, 12 मराठा लाइट इन्फैंट्री

33. आईसी-67754 कैप्टन प्रेमनाथ ओथायोथ, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मेकेनिकल इंजीनियर्स कोर/5 बिहार रेजिमेंट

34. एसएस-40584 कैप्टन कमल गौतम, सेना वायु रक्षा/44 असम राइफल

35. एसएस-40630 कैप्टन मनीश कुलहाडी, जाट रेजिमेंट/5 राष्ट्रीय राइफल

36. आईसी-69925 लेफ्टिनेंट मयंक बिष्ट, 10 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री

37. आईसी-70145 लेफ्टिनेंट सतबीर सिंह, सेना शिक्षा कोर/12 मराठा लाइट इन्फैंट्री

38. जेसी-439260 सूबेदार मन्जूनाथ सी एस, मद्रास रेजिमेंट/8 राष्ट्रीय राइफल

39. जेसी-479563 सूबेदार सतवीर सिंह, राजपूत रेजिमेंट/10 राष्ट्रीय राइफल

40. जेसी-528982 सूबेदार बलदेव सिंह, गढ़वाल राइफल/14 राष्ट्रीय राइफल

41. जेसी-548948 सूबेदार चिनिओ लोथा, 12 असम रेजिमेंट

42. जेसी-579894 सूबेदार हंस राज थियाल, जम्मू-कश्मीर राइफल/28 राष्ट्रीय राइफल

43. जेसी-83212 नायब सूबेदार केशर सिंह नेगी, 8 असम राइफल

44. जेसी-83267 नायब सूबेदार मोहन सिंह मेहर, 8 असम राइफल

45. जेसी-299931 नायब सूबेदार अगस्ती पी डी, सेना वायु रक्षा/20 राष्ट्रीय राइफल

46. जेसी-520623 नायब सूबेदार निर्मल सिंह, डोगरा रेजिमेंट/11 राष्ट्रीय राइफल

47. जेसी-530413 नायब सूबेदार मन मोहन सिंह, 7 गढ़वाल राइफल

48. 2594316 हवलदार पुनिबर डिहिंगिया, 12 असम रेजिमेंट

49. 2681392 हवलदार अहसान अली, 16 ग्रेनेडियर्स

50. 2783530 हवलदार काले नेताजी गोपालराव, 12 मराठा लाइट इन्फैंट्री

51. 2991822 हवलदार सन्तर पाल, राजपूत रेजिमेंट/58 राष्ट्रीय राइफल

52. 2993180 हवलदार समन्द्र सिंह, राजपूत रेजिमेंट/44 राष्ट्रीय राइफल

53. 3186467 हवलदार सुरेन्द्र कुमार, 16 जाट रेजिमेंट

54. 3189212 हवलदार राम निवास, पैराच्यूट रेजिमेंट/51 स्पेशल एक्शन ग्रुप

55. 3993208 हवलदार संजय सिंह, 1 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

56. 4071383 हवलदार दिनेश चन्द्र, 7 गढ़वाल राइफल

57. 13618768 हवलदार विक्रम सिंह मेहता, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

58. 13757436 हवलदार मुकेश कुमार, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

59. 14401292 हवलदार राजबीर सिंह भदौरिया, सेना वायु रक्षा/10 राष्ट्रीय राइफल

60. 15134004 हवलदार भाकरे संजय अन्नासाहेब, 1 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

61. जी/75633 लांस हवलदार दिगाम्बर सिंह, 7 असम राइफल

62. 2494024 नायक अनिल कुमार, 1 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

63. 2686773 नायक विनोद सिंह, ग्रेनेडियर्स/55 राष्ट्रीय राइफल

64. 2688833 नायक किशोरी लाल, 8 ग्रेनेडियर्स (मरणोपरांत)

65. 3187422 नायक वीरेन्द्र सिंह, 11 जाट रेजिमेंट

66. 3188074 नायक किरन देव रावत, 16 जाट रेजिमेंट

67. 3993056 नायक भगवान दास, डोगरा रेजिमेंट/11 राष्ट्रीय राइफल

68. 4188305 नायक गंगा सिंह, 3 कुमाऊं रेजिमेंट

69. 4364183 नायक म्हार लालसंगलूरा, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

70. 4474297 नायक जगदीप सिंह, 4 सिख लाइट इन्फैंट्री

71. 13626926 नायक करमजीत सिंह, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

72. 14432318 नायक बप्पी दफादार, जम्मू-कश्मीर राइफल/28 राष्ट्रीय राइफल

73. 2894634 लांस नायक राजीव कुमार, राजपूताना राइफल/18 राष्ट्रीय राइफल

74. 3997541 लांस नायक रत्तन लाल, 17 डोगरा रेजिमेंट

75. 4192469 लांस नायक बीरेन्द्रा सिंह, 21 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

76. 4192505 लांस नायक प्रकाश चन्द्र पाण्डेय, पैराच्यूट रेजिमेंट/22 विशेष समूह

77. 4368129 लांस नायक नाली अगन, असम रेजिमेंट/42 राष्ट्रीय राइफल

78. 12944331 लांस नायक देव राज, 159 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) (एच एंड एच) डोगरा

79. 12944704 लांस नायक विजय कुमार शान, 159 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) (एच एंड एच) डोगरा

80. 13761930 लांस नायक सुकदेन लेपचा, जम्मू-कश्मीर राइफल/28 राष्ट्रीय राइफल

81. 15616369 लांस नायक शदानन्द हाजारिका, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/21 राष्ट्रीय राइफल

82. 3002638 सिपाही सुनील कुमार, राजपूत रेजिमेंट/51 स्पेशल एक्शन ग्रुप

83. 3199182 सिपाही रणबीर सिंह, जाट रेजिमेंट/5 राष्ट्रीय राइफल

84. 4002337 सिपाही चतर सिंह, 17 डोगरा रेजिमेंट

85. 4196047 सिपाही छत्तर पाल यादव, कुमाऊं रेजिमेंट/26 राष्ट्रीय राइफल

86. 4369760 सिपाही दुसाखो नैखा, 12 असम रेजिमेंट

87. 4484097 सिपाही गुरचरन सिंह, 2 सिख लाइट इन्फैंट्री

88. 4574321 सिपाही सुखविन्द्र सिंह, महार रेजिमेंट/30 राष्ट्रीय राइफल

89. 5250782 राइफलमैन बसन्त कुमार थापा, 3 गोरखा राइफल/32 राष्ट्रीय राइफल

90. 5758316 राइफलमैन पंकज गुरुंग, 4/8 गोरखा राइफल (मरणोपरांत)

91. 9109920 राइफलमैन विजय कुमार, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/8 राष्ट्रीय राइफल

92. 13767602 राइफलमैन सोहन लाल शर्मा, जम्मू-कश्मीर राइफल /52 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

93. जी/164101 राइफलमैन राम बहादुर भण्डारी, 44 असम राइफल

94. जी/5002227 राइफलमैन मुघाखे रोचिल, 7 असम राइफल

95. जी/5002947 राइफलमैन थौनाओजम सुरजित सिंह, 32 असम राइफल

96. 9113179 पैराट्रूपर नेत्र सिहं, 1 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

97. 13623559 पैराट्रूपर मघराज जंगीर, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

98. 13625774 पैराट्रूपर जितेन्दर सिंह, 9 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

99. 2693964 ग्रेनेडियर प्रदीप कुमार, ग्रेनेडियर्स/12 राष्ट्रीय राइफल

100. 15617991 गाड्र्समैन संजय निम्बालकर, ब्रिगेड ऑफ दि गाड्र्स/21 राष्ट्रीय राइफल

बरूण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 117-प्रेज/2009 - राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसिक कार्यों के लिए **'नौसेना मेडल/नेवी मेडल'** प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:-

1. लेफ्टिनेंट कमांडर रोहित मिश्रा, (05088-एन)

2. लेफ्टिनेंट गोविन्द बल्लभ यदुवंशी, (05633-ए)

3. सज्जन सिंह, पी ओ सी डी I, (116489-ज़ेड)

4. विश्वनाथ वी भट्ट, एल एस सी डी II, (119747-बी)

बरूण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 118-प्रेज/2009 - राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसिक कार्यों के लिए **'वायुसेना मेडल/एयर फोर्स मेडल'** प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:-

1. विंग कमांडर राजन पुरी (21846) उड़ान (पायलट)

2. फ्लाइट लेफ्टिनेंट योगेन्द्र सिंह तोमर (28497) उड़ान (पायलट)

3. 679560 जूनियर वारंट अफसर राजहंस थपलियाल, फ्लाइट गनर

4. 766557 सार्जेंट बिपिन कुमार, फ्लाइट इंजीनियर

5. 9083049 लांस नायक अमरीक सिंह, रक्षा सुरक्षा कोर/जनरल ड्यूटी (मरणोपरांत)

बरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 119-प्रेज़/2009 - राष्ट्रपति **रक्षा मंत्री** द्वारा **"सेनाध्यक्ष"** की ओर से प्राप्त **"मेंशन-इन-डिस्पेचिज"** हेतु निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों के नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने के लिए सहर्ष आदेश देती हैं :-

ऑपरेशन रक्षक

1. आईसी-50322 कर्नल राम चन्द्र यादव, इंटेलिजेंस कोर/कोर पूछताछ सुरक्षा इकाई, 15 सीआईएसयू
2. टीए-42101 लेफ्टिनेंट कर्नल हरी सिंह, 158 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) (एच एंड एच) सिख लाइट इन्फैंट्री
3. आईसी-54475 मेजर समीर काशीनाथ पलांडे, 2 मराठा लाइट इन्फैंट्री
4. आईसी-60584 मेजर संदीप रावत, महार रेजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राइफल
5. आईसी -61402 मेजर समरजीत रेय, गढ़वाल राइफल, 36 राष्ट्रीय राइफल
6. आईसी-61427 मेजर तथागता दत्ता, कवचित कोर, 53 राष्ट्रीय राइफल
7. आईसी-62699 मेजर विपिन कुमार सिंह, सेमे बार, ग्रेनेडियर्स, 55 राष्ट्रीय राइफल
8. आईसी-64011 मेजर आर विजय आनन्द, मैकानाइज्ड इन्फैंट्री, 26 राष्ट्रीय राइफल
9. आईसी-65381 मेजर ब्रीजेश कुमार नागायाच, पंजाब रेजिमेंट, 22 राष्ट्रीय राइफल
10. एसएस-39008 मेजर गौरव नेगी, महार रेजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राइफल
11. एसएस-41215 कैप्टन राहुल गोयल, तोपखाना रेजिमेंट, 6 राष्ट्रीय राइफल
12. जेसी-429710 सूबेदार जीत कुमार, पंजाब रेजिमेंट, 22 राष्ट्रीय राइफल
13. जेसी-413091 नायब सूबेदार मंजीत सिंह, 4 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)
14. जेसी-459809 नायब सूबेदार वाघमोडे अबासाहेब जनोबा, 7 मराठा लाइट इन्फैंट्री
15. 3990427 हवलदार शमशेर सिंह, पैराच्यूट रेजिमेंट, 31 राष्ट्रीय राइफल
16. 4072034 हवलदार प्रदीप सिंह, 7 गढ़वाल राइफल
17. 2487561 नायक सरवन सिंह, पंजाब रेजिमेंट, 22 राष्ट्रीय राइफल
18. 2487790 नायक मन मोहन सिंह, पंजाब रेजिमेंट, 22 राष्ट्रीय राइफल
19. 15131842 नायक मुथु चन्द्रन सोलेअप्पन, तोपखाना रेजिमेंट, 30 राष्ट्रीय राइफल

20. 12944195 लांस नायक मुश्ताक अहमद खान, 159 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) (एच एंड एच) डोगरा, 26 राष्ट्रीय राइफल

21. 3006485 सिपाही कैलाश चन्द, राजपूत रेजिमेंट, 58 राष्ट्रीय राइफल

22. 4372678 सिपाही मर्येंगबम नौबी सिंह, असम रेजिमेंट, 42 राष्ट्रीय राइफल

23. 4373681 सिपाही अनान्तो लोन्गकेन्ग, 5 असम रेजिमेंट

24. 12914550 सिपाही मोहम्मद शफी, 156 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) (एच एंड एच) पंजाब

25. 9112061 राइफलमैन मुखतार अहमद इतो, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, 36 राष्ट्रीय राइफल

26. 15768050 गनर इन्द्र सिंह राव, सेना वायु रक्षा, 58 राष्ट्रीय राइफल

ऑपरेशन हिफाज़त

27. आईसी-59256 मेजर अजय ठाकुर, 10 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री

28. आईसी-60445 मेजर अभिजात कुशवाहा, 13 ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स

29. आईसी-65383 मेजर कार्तिकेश कासीनाथ, सिख लाइट इन्फैंट्री, 31 असम राइफल

30. एसएस-40532 कैप्टन बिरेन्द्र पठानिया, 21 जाट रेजिमेंट

31. जी/2102757 हवलदार सुरिन्दर कुमार, 21 असम राइफल

32. जी/2900395 हवलदार बीसुद चन्द्रा, 29 असम राइफल

33. 2791753 नायक श्री ओम, 21 पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

34. जी/3400960 राइफलमैन टी एच इबोचा सिंह, 34 असम राइफल

ऑपरेशन ब्लैक टोरनेडो

35. आईसी-63111 कैप्टन रयान चक्रवर्ती, लद्दाख स्काउट, 52 स्पेशल एक्शन ग्रुप

36. आईसी-64013 कैप्टन करमजीत सिंह यादव, तोपखाना, 51 स्पेशल एक्शन ग्रुप

37. जेसी-308200 सूबेदार एस एन्थोनी सामी, कोर ऑफ इंजीनियर्स, सहायता हथियार स्क्वाड्रन, राष्ट्रीय सुरक्षा समूह

बरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

संसदीय कार्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 2009

संकल्प

सं. फा. 4(1)/2008-हिन्दी--संसदीय कार्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन संबंधी समसंख्यक संकल्प दिनांक 27 अक्तूबर, 2008 के अधिक्रमण में, भारत सरकार एतद्द्वारा संसदीय कार्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति में निम्नलिखित से आशोधन करती है:--

(I) **गठन**

इस समिति के निम्नलिखित सरकारी एवं गैर-सरकारी सदस्य होंगे:-

सरकारी सदस्य

1. संसदीय कार्य और जल संसाधन मंत्री - अध्यक्ष

2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री - उपाध्यक्ष

3. संसदीय कार्य और योजना राज्य मंत्री - सदस्य

गैर-सरकारी सदस्य

(क) **संसद सदस्य**

लोक सभा से दो सदस्य

4. श्री सन्दीप दीक्षित, संसद सदस्य (लोक सभा) सदस्य

5. श्री लालजी टंडन, संसद सदस्य (लोक सभा) सदस्य

राज्य सभा से दो सदस्य

6.	प्रो. अल्का बलराम क्षत्रिय, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
7.	श्री नंदकिशोर सिंह संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य

(ख) **संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित दो संसद सदस्य**

8.	श्री दारा सिंह चौहान, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
9.	श्री प्रभात झा, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य

(ग) **अखिल भारतीय हिन्दी संस्था के प्रतिनिधि**

10.	प्रो. अनन्तराम त्रिपाठी, प्रधानमंत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति- वर्धा, पोस्ट हिन्दी नगर, वर्धा, महाराष्ट्र- 442003	सदस्य

(घ) **मंत्रालय द्वारा नामांकित सदस्य**

11.	श्री हिमांशु जोशी, 7/C 2, हिन्दुस्तान टाइम्स अपार्टमेंट्स, मयूर विहार - फेज़- I, नई दिल्ली - 110091	सदस्य
12.	श्री बालस्वरूप राही, एफ 3/10, माडल टाउन, दिल्ली - 110009	सदस्य
13.	श्री अनिरूद्ध जोशी, 212 बी.पी., एम.डी.सी., सैक्टर -IV, पंचकुला - 134114 हरियाणा	सदस्य

14.	श्री आर. विजयन थम्पी, दीसीया हिन्दी अकादमी, पेरूंगुज़ी पोस्ट आफिस, चिरायिंकीज, तिरूअनंतपुरम, केरल - 695305	सदस्य

(ङ) **केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद के प्रतिनिधि**

15.	श्री सुरेश तिवारी, सहायक महाप्रबंधक, प्रचालन निदेशालय, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, (निगमित कार्यालय, सेल) पांचवीं मंजिल, इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003	सदस्य

(च) **गृह मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य**

16.	डा. पद्माषा झा, प्रोफेसर्स क्वार्टर नं. 01, यूनिवर्सिटी कैम्पस, मुजफ्फरपुर - 842001, बिहार।	सदस्य
17.	श्रीमती अनवर जहां खानम, ग्राम एवं पोस्ट - कोठिया, भाया - पिन्डारक, थाना - कमतौल, प्रखण्ड - केवटी, जिला - दरभंगा, बिहार।	सदस्य
18.	प्रो.चुलहाई प्रसाद साह, ग्राम - करूणा, पोस्ट - विशौल, थाना - हरलाखी, जिला - मधुबनी, बिहार।	सदस्य

अन्य सरकारी सदस्य

19.	सचिव, संसदीय कार्य मंत्रालय	सदस्य
20.	सचिव, राजभाषा विभाग तथा भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार	सदस्य
21.	संयुक्त सचिव/निदेशक, राजभाषा विभाग	सदस्य

22.	निदेशक (यु.सं.), संसदीय कार्य मंत्रालय	सदस्य-सचिव
23.	उप सचिव (वि.), संसदीय कार्य मंत्रालय	सदस्य
24.	उप सचिव (प्र.), संसदीय कार्य मंत्रालय	सदस्य

(2) **कार्यक्षेत्र**

इस समिति का कार्य संसदीय कार्य मंत्रालय में सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित विषयों तथा गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) द्वारा समय-समय पर निर्धारित नीति के कार्यान्वयन के बारे में मंत्रालय को सलाह देना होगा।

(3) **कार्यकाल**

समिति का कार्यकाल उसके गठन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए होगा, बशर्ते कि:-

(क) कोई भी सदस्य, जो संसद सदस्य है, संसद का सदस्य न रहने पर इस समिति का भी सदस्य नहीं रहेगा।

(ख) समिति के पदेन सदस्य उस समय तक सदस्य बने रहेंगे जब तक वे उन पदों पर हैं, जिसके कारण वह समिति के सदस्य हैं।

(ग) यदि किसी सदस्य के त्यागपत्र अथवा मृत्यु आदि के कारण समिति में कोई स्थान रिक्त होता है तो उसके स्थान पर नियुक्त किए गए सदस्य का कार्यकाल शेष अवधि के लिए होगा।

(4) **सामान्य**

समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

(5) **यात्रा भत्ते तथा अन्य भत्ते**

समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए हिन्दी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को राजभाषा विभाग के दिनांक 3 फरवरी, 2006 के कार्यालय ज्ञापन संख्या II/20034/04/2005-रा.भा.(नीति-2) में निहित दिशा-निदेशों के अनुरूप और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथा-संशोधित निर्धारित दरों एवं नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, लोक/राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, संसदीय राजभाषा समिति, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और वेतन तथा लेखा कार्यालय, मंत्रिमंडल कार्य, नई दिल्ली को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जनसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

अनिल कुमार
सचिव

अन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर-560231, दिनांक 15 अक्तूबर 2009

सं.ए.एस./एस-25: राष्ट्रपति, निम्नलिखित सदस्यों के साथ अन्तरिक्ष आयोग का पुनर्गठन आगामी आदेश तक करते हैं :

1.	**श्री जी.माधवन नायर** **सचिव, अन्तरिक्ष विभाग**	**अध्यक्ष**
2.	**श्री पृथ्वीराज चव्हाण** **राज्य मंत्री (प्रधान मंत्री कार्यालय)**	**सदस्य**
3.	**श्री एम.के.नारायणन** **राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार**	**सदस्य**
4.	**श्री टी.के.ए.नायर** **प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव**	**सदस्य**
5.	**श्री के.एम.चन्द्रशेखर** **मंत्रिमंडलीय सचिव**	**सदस्य**
6.	**श्री अशोक चावला** **सचिव, आर्थिक कार्य विभाग**	**सदस्य**
7.	**श्रीमती सुष्मा नाथ** **सदस्य (वित्त), अन्तरिक्ष आयोग**	**सदस्य (वित्त)**
8.	**प्रो.आर.नरसिंहा** **भूतपूर्व निदेशक, एन.आई.ए.एस.**	**सदस्य**
9.	**श्री एन.पंत** **भूतपूर्व उपाध्यक्ष, इसरो**	**सदस्य**
10.	**डॉ.के.राधाकृष्णन** **निदेशक, वी.एस.एस.सी.**	**सदस्य**

जी. बालचन्द्रन, सचिव
अन्तरिक्ष विभाग

PRESENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2009

No. 112-Pres/2009 – The President is pleased to approve the award of the **"Ashoka Chakra"** to the under mentioned persons for the acts of most conspicuous gallantry:-

1. **SS-40576 MAJOR D SREERAM KUMAR, 39 ASSAM RIFLES**

(Effective date of the award: 23 October 2008)

Maj D Sreeram Kumar with his exemplary leadership and resourcefulness has created an effective and vibrant intelligence network in Manipur.

On 23 Oct 2008, at 1730 hours, after obtaining explicit intelligence regarding presence of 10-15 armed terrorists in a village in Imphal East District, Maj D Sreeram Kumar launched operations to eliminate/apprehend the terrorists. Reaching the suspected site, he laid multiple ambushes on the escape routes of the terrorists. On being challenged, the terrorists opened indiscriminate heavy automatic fire and pinned down the section under him. Assessing the situation, the officer engaged the terrorists with accurate fire and killed two terrorists on the spot.

In the ensuing fierce encounter, Maj D Sreeram Kumar continued moving towards the remaining well-entrenched terrorists. Seeing sheer audacity of the valiant officer his section immediately followed him. On seeing two more terrorists firing from a dugout channel, Maj D Sreeram Kumar directed his buddy to provide covering fire and himself with utter disregard to his own safety dashed down and closed in crawling and killed the two terrorists at point blank range.

Major D Sreeram Kumar displayed inspirational leadership, most conspicuous gallantry under lethal hostile fire and single handedly eliminated four terrorists.

2. **IC-59066 MAJOR MOHIT SHARMA, SENA MEDAL, 1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 21 March 2009)

Major Mohit Sharma was leading Bravo Assault Team in operations in Kupwara District of North Kashmir. On 21 March 2009, after receiving information of presence of some infiltrating terrorists in dense forest, he planned meticulously and led his commandos in tracking them. On observing suspicious movement, he alerted his scouts but terrorists fired from three directions indiscriminately. In the heavy exchange of fire, four commandos were wounded. Immediately, with complete disregard to his personal safety, Major Sharma crawled and recovered two soldiers to safety. Unmindful of the overwhelming fire, he threw grenades and killed two terrorists but was shot in the chest. In the brief respite that followed, he kept directing his commandos, inspite of serious injuries. Sensing further danger to his comrades, he charged in a daring close quarter combat killing two more terrorists and attained martyrdom fighting for his motherland in the highest traditions of Indian Army.

Major Mohit Sharma, SM, thus displayed most conspicuous gallantry, inspiring leadership and indomitable courage and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists

BARUN MITRA
Jt. Secy.

No. 113-Pres/2009 – The President is pleased to approve the award of the **"Kirti Chakra"** to the under mentioned persons for the acts of conspicuous gallantry:-

1. **2994546 NAIK RISHIKESH GURJAR, RAJPUT REGIMENT / 10 RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 08 November 2008)

On 08 November 2008, as part of assault group in an operation in Doda District of Jammu & Kashmir, Naik Rishikesh Gurjar volunteered to confirm presence of terrorists hiding inside a well-fortified cave. With utter disregard to personal safety and extreme audaciousness, he crawled on ledge leading onto the cave and threw grenade inside, drawing heavy fire from terrorists.

Using his position, he volunteered and laid concertina coil below the entrance. Putting life under grave risk, he subsequently placed and lit smoke candles and kerosene soaked grass bundles to smoke out terrorists. He thereafter prepositioned himself and braving heavy volume of fire from terrorists who came out firing indiscriminately, shot one of them at point blank range. The remaining two terrorists came out close behind. Showing total disregard to personal safety, grit and dogged determination in face of terrorist fire, he shot both of them in close combat, single-handedly.

Naik Rishikesh Gurjar displayed raw courage, audacity and conspicuous gallantry in neutralizing three terrorists.

2. **IC-59630 MAJOR AMIT OSCAR FERNANDES, 7 MARATHA LIGHT INFANTRY**

(Effective date of the award: 16 November 2008)

On 16 November 2008 a search and destroy operation was launched around a village in district Baramulla (Jammu & Kashmir). At 2045hrs the search party of five Other Ranks under Major Amit Oscar Fernandes was in general area. Due to poor visibility and rough terrain, the officer spotted movement of

terrorists only when they were close to him. Major Fernandes brought down effective fire on the terrorists killing two of them. One terrorist charged towards him. Firing with utter disregard to his personal safety, Major Fernandes caught the weapon of the terrorist by the barrel and deflected it away from him and his party. The hot barrel caused burns to his hand and one bullet embedded itself into his bullet proof Jacket. The terrorist bit his thumb to release the weapon. Major Fernandes however persisted and snatched the weapon away from the terrorist and shot him dead.

Major Fernandes by his raw courage, extreme determination and timely action saved the lives of his comrades while eliminating three hardcore terrorists.

3. **IC-61379 MAJOR DEEPAK TEWARI, CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS / 14 RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 28 November 2008)

On 27 November 2008, Major Deepak Tewari received specific information from the Brigade regarding presence of five terrorists in one of the houses in a village in Jammu & Kashmir. He rapidly moved in pitchdark night, thus surprising the terrorists with the speed of movement. At 0015 hrs on 28 Nov 2008 while closing in on to the target, the officer heard the terrorists coming out of the house towards them. On seeing own troops, terrorists opened heavy volume of fire, the officer, despite the barrage of fire, displaying nerves of steel and quick reflexes retaliated and chased four terrorists who jumped behind a rock. In the face of terrorist fire the officer moved forward with lightning speed and in extremely close-range gun-battle of approximately three meters single handedly eliminated three terrorists and critically injuring the fourth. The brave officer then provided personal leadership to the team, which resulted in elimination of five hardcore terrorists.

Major Deepak Tewari exhibited conspicuous gallantry, leadership and professional acumen, under extreme danger while fighting the terrorists.

4. **9113063 PARATROOPER SHABIR AHMAD MALIK, 1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES), (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 21 MARCH 2009)

Paratrooper Shabir Ahmad Malik a fierce patriot, willingly volunteered for Special Forces to fight terrorists in his beloved Kashmir. He further volunteered as a scout to lead his troop.

On 21 March 2009, his troop was tracking an infiltrating column of terrorists when he observed suspicious movement and alerted his commando buddy. Suddenly, the terrorists opened overwhelming volume of fire from three directions and his buddy received gunshot wounds. Sensing grave danger to his comrades, he displayed exceptional courage with total disregard to his safety by lobbying grenades, crawling and charging onto the terrorists, killing one at point-blank range. During this firefight, he sustained serious gunshot wounds but pulled his buddy to safety. Despite being grievously wounded, he killed another terrorist in hand-to-hand combat and refused evacuation motivating his comrades during the firefight. His supreme sacrifice led to the rare scenes of Kashmir Valley mourning and honouring him fighting for motherland as many vowed to follow the martyr's footsteps.

Shabir Ahmad Malik displayed exceptional courage, camaraderie and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

BARUN MITRA
Jt. Secy.

No. 114-Pres/2009 – The President is pleased to approve the award of the **"Shaurya Chakra"** to the under mentioned persons for the acts of gallantry:-

1. **SHRI DAVID KERKETTA, LANCE NAIK, 4TH Bn. ORISSA SPECIAL ARMED POLICE (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 27 July 2007)

On complaint of a businessman, a Police team was constituted to trap a group of inter-state criminals engaged in extortion and kidnapping. Shri David Kerketta, Lance Naik, 4th BN Orissa Special Armed Police (OSAP), was part of that team. The team prepared a strategy to seize the gang. On 27 July 2007, as per direction of the extortionists, the Scorpio vehicle of the complainant was parked near Kiriburu square in front of treasure gate, where two criminals riding a motorcycle approached the Scorpio vehicle and demanded to hand over the cash. As per the strategy, Shri David Kerketta of OSAP was hiding in this vehicle.

Shri David Kerketta jumped from the vehicle and caught hold of the miscreants. When the criminals were about to be overpowered, the other culprits opened fire. A bullet hit the head of Shri David Kerketta who fell on the ground. Shri Kerketta succumbed to the injuries on 28.07.2007 at the hospital. In the process, a member of the gang was apprehended and later the extortion gang was busted.

Shri David Kerketta showed exemplary courage and laid down his life while performing his duty with great dedication.

2. **SHRI MANOJ KUMAR SINGH, INSPECTOR, 10TH Bn. QUICK REACTION TEAM, INDO-TIBETAN BORDER POLICE (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 03 January 2008)

Shri Manoj Kumar Singh, Inspector of 10th Bn, Indo Tibetan Border Police was part of the Quick Reaction Team deployed for providing security to the Border Roads Organization (BRO) personnel in Afghanistan. On 03 January 2008 at 1645 hours, he received information that bomb kept in a motorcycle has

been detonated near the convoy of BRO returning from the Quarry operations in a Taliban infested town. He immediately rushed to the blast site.

On the site, he took stock of the situation and deployed his team to safely evacuate the convoy from further attacks. Unmindful of his safety, he swiftly cleared the road of traffic and managed to divert the convoy and guided it to safety. After ensuring that the last vehicle of the convoy was safe, he regrouped his team for returning to Headquarters when a suicide bomber blew ups himself close to him. He sustained severe injuries and died on the spot.

Shri Manoj Kumar Singh, thus, displayed raw courage, determination and lost his life in performing his duty.

3. **SHRI DESHA SINGH, CONSTABLE, 12TH Bn., INDO-TIBETAN BORDER POLICE (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 03 January 2008)

Shri Desha Singh, Constable of 12th Bn. Indo Tibetan Border Police was part of the Quick Reaction Team (QRT) deployed for providing security to the Border Roads Organization (BRO) personnel in Afghanistan. On 03 January 2008 at 1645 hours, the Quick Reaction Team received information that a bomb kept in a motorcycle has been detonated before the convoy of BRO returning from the Quarry operations in a Taliban infested town. The Quick Reaction Team immediately reached the blast site.

Shri Desha Singh took stock of the situation and without wasting time, he looked for an alternative route and unmindful of his safety coordinated with the convoy and QRT Commander and personally ensured that all the vehicles moved away from the blast site and were out of danger. After ensuring that the last vehicle of the convoy was safe, he joined his team for returning to Headquarters when a suicide bomber blew up himself close to him. He sustained severe injuries and later succumbed to his injuries.

Shri Desha Singh displayed raw courage, determination and lost his life in performing his duty.

4. **SHRI ONKAR NATH, CONSTABLE, 2ND Bn. INDO-TIBETAN BORDER POLICE**

(Effective date of the award: 05 June 2008)

Shri Onkar Nath, Constable of 2nd Bn. Indo Tibetan Border Police was on security duty in Project Zaranj, Afghanistan. On 05 June 2008, he was traveling in the front escort ITBP convoy returning from Razai Quarry after the day's work of extracting stones for road construction. Before moving on the highway, the

convoy stopped to survey and secure the highway. In the meanwhile, an explosive laden corolla vehicle came with tremendous speed towards the convoy. Shri Nath was about to fire when the suicide bomber detonated himself and the vehicle exploded close to him. Despite severe injuries including loss of sight in one eye he rushed the QRT vehicle loaded with explosive shells and removed the explosive shells to a safe place and prevented further explosions. Thereafter, he secured the area to thwart a possible follow up attack by the Taliban. Shri Onkar Nath immediately informed the HQ and helped in evacuating the other injured personnel.

Shri Onkar Nath showed exemplary courage and presence of mind in the face of extreme adverse conditions and saved many lives.

5. **GS-173875N OEM GRADE-II SHRI SATISH KUMAR, BORDER ROADS ORGANISATION**

(Effective date of the award: 11 August 2008)

Due to heavy rains, a major land slide occurred at km 67 on the road on 11 Aug 2008. The slide remained very active right from its occurrence prohibiting the deployment of man and machine for its clearance and claimed six lives due to continuous rolling down boulders. The road being the life line of Bhutan, clearance of the slide was essential. However, due to the extreme danger involved, the Minister of Bhutan present at the site had advised everyone against approaching the slide.

Under these circumstances Operator Executive Machinery Satish Kumar volunteered to clear the slide. Undeterred by the falling boulders and in the face of grave danger, without caring for his own life he displayed exemplary courage and cleared the slide. Against repeated risks to his own life, Operator Executive Machinery Satish Kumar continued clearing the slide for days till normalcy was restored.

Operator Executive Machinery Grade-II Satish Kumar displayed exemplary courage, determination and devotion to duty of an exceptional order beyond the call of routine duty even at the cost of risking his own life.

6. **9098809 LANCE NAIK SUBASH CHANDER, 10 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 20 August 2008)

On 20 August 2008, Lance Naik Subash Chander was the leading scout of a column launched to target terrorists, reported to have concentrated at a Village by own sources from a Village in Manipur. The column moved with stealth from

the Company Operating Base in inclement weather and thick vegetation. At approx 1130 hours Lance Naik Subash Chander showing alertness and presence of mind alerted the column about suspicious move of terrorists. In the ensuing firefight, own troops fired with restrain due to proximity of the village. He, in order to ensure that the villagers do not get killed, tried to close onto the terrorists for aimed effective fire. While closing in he was hit by a bullet in his jaw. Undeterred by his grievous injury and with utter disregard to his personal safety he continued to fire and killed two terrorists. Lance Naik Subash Chander later succumbed to his injuries.

Lance Naik Subash Chander displayed boldness and raw courage of the highest degree manifesting the epitaph of keeping duty before self in the highest traditions of Indian Army in fighting the terrorists.

7. **IC-62272 MAJOR RATNESH KUMAR SINGH, RAJPUT REGIMENT / 58 RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 21 September 2008)

On 21 September 2008, Major Ratnesh Kumar Singh was part of a cordon and search operation in general area in district Ramban, Jammu & Kashmir. At 1530 hours, terrorists hiding in the maize fields close to the officer's party opened accurate fire on his party injuring a jawan. The officer immediately retaliated, grievously injuring one terrorist and killing another from close quarters. This brave act unnerved the terrorists enabling evacuation and provision of first aid to the injured jawan. The third terrorist meanwhile continued to give a pitched battle. The officer realising danger to own troops in the maize field and deteriorating light conditions, crawled into the maize field and shot dead the third terrorist from close quarters.

Major Ratnesh Kumar Singh showed exceptional bravery, camaraderie and presence of mind in fighting the terrorists.

8. **SQUADRON LEADER HARKIRAT SINGH (26696) FLYING (PILOT)**

(Effective date of the award: 23 September 2008)

On 23 September 2008, Squadron Leader Harkirat Singh was authorised to fly a two aircraft Practice Interception sortie on the Bison aircraft by Dark Night. During the interception phase at an altitude of four Km, when the pilot engaged reheat to accelerate to the briefed speeds, he noticed a bright flash in the peripheral vision and heard three loud banging noises from the engine. He promptly selected reheat off. However, the Rotation Per Minute and Jet Pipe Temperature continued to wind down indicating an engine flame out. This

resulted in complete loss of thrust with the speed washing off and the aircraft descending. Also, he experienced loss of flight and attitude data on the Head Up Display and Multi Functional Display. Further, cockpit lights went off with only the battery operated emergency floodlights being available. During dark night over the desert, with very few lights on the ground and with only stars in the sky, disorientation can occur very quickly. It is further compounded if a dire emergency, like a flame out occurs. In-addition, with only limited head down instruments available against dim cockpit lights, this situation could have also led to disorientation. This coupled with a flamed out engine, presented the pilot with an emergency of the most critical nature on the MiG-21 class of aircraft.

Despite experiencing a dire emergency, Sqn Ldr H Singh calmly assessed the situation and reacted in a controlled manner. In order to prevent the rapid decay in speed, he immediately reduced the angle of attack, thereby preventing the aircraft from entering the stalling regime. He then took recovery actions of relighting the engine without delay. While doing so he continued with the difficult task of piloting the aircraft in dark night conditions. After a successful relight and with the cockpit lighting restored, he utilised his on board navigation systems along with the assistance from Ground Control Intercept controller to position on final approach followed by a Surveillance Radar Approach to land. The pilot was now faced with the next demanding task of carrying out an overweight landing in dark night conditions. Landing in this configuration by dark night calls for high degree of skill levels. His exemplary piloting skills with composed mental state under extreme adverse conditions were instrumental in successfully recovering the aircraft. This act of saving the aircraft was undertaken by him in total disregard to his own safety. Any wrong input or a delayed action by the pilot would have resulted in a catastrophic accident. After landing, he cleared off the runway and switched off, thereby enabling the recovery of other aircraft. His prompt and correct actions prevented a Category – I accident and saved a valuable aircraft.

Squadron Leader Harkirat Singh displayed exceptional courage in successfully handling the emergency and saved a valuable asset.

9. IC-64795 MAJOR ANKUR GARG, CORPS OF ENGINEERS / 24 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 25 September 2008)

An Operation was launched on 24 September 2008 in Jammu & Kashmir to intercept a group of 13 terrorists. Maj Ankur Garg led his small team to an altitude of 13500 feet. Conduct with the terrorists was established in extremely hostile terrain and adverse weather conditions in which Maj Ankur Garg and his party was tasked as part of the cordon to prevent escape of terrorists.

On 25 September 2008, at approximately 0230 hours, two of the trapped 13 terrorists, with an aim to break the cordon, moved undetected to an advantageous position and opened indiscriminate effective fire on his party. He realized the grave danger posed by this movement to his subordinates and to the whole operation. Completely disregarding his own safety, he left his cover, charged in the line of fire of the terrorist and eliminated them in close combat; thus plugging the gap being attempted. The audacious act broke the morale of the terrorists prevented their escape from the cordon, and thus led to the elimination of the balance 11 terrorists.

Major Ankur Garg, thus, displayed outstanding gallantry and inspiring leadership in the face of terrorists.

10. **IC-62248 MAJOR SAURABH DUTT KHOLIA, ARMOURED CORPS / 22 RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 09 October 2008)

On 09 Oct 2008, based on specific information received about presence of terrorists in a house, a cordon and search operation was launched in a village in Jammu & Kashmir. Major Saurabh Dutt Kholia personally selected the site, placed effective cordon around the target house alongwith his party in which two terrorists were hiding. Very heavy effective fire was brought by terrorists. The officer unmindful of his personal safety crawled and placed three successive Improvised Explosive Devices. He acted in a deliberate manner and avoided civilian casualties and collateral damage. The officer with unflinching courage, engaged terrorists with effective fire and personally eliminated two hardcore terrorists, one of them the Chief Operations Commander, North Kashmir of a terrorist outfit.

Major Saurabh Dutt Kholia displayed indomitable courage, inspiring leadership in the face of heavy odds in fighting against the terrorists.

11. **15330627 LANCE NAIK SUJITH BABU V, CORPS OF ENGINEERS / 38 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 14 October 2008)

Lance Naik Sujith Babu V was a part of team in OPERATION 'RAKSHAK' (J&K).

On 13/14 Oct 08, information was received of presence of Regional Commander Jammu Region of a dreaded terrorist outfit in a village in Poonch district of Jammu & Kashmir. The hideout was located under a rock with a

narrow opening. When all attempts to create an opening failed, L/Nk Sujith Babu V volunteered to close in and attempt creating an alternative opening. He carried out recce and laid two charges to create the same. He was crawling to place the third charge, when the terrorist started indiscriminate firing. L/Nk Sujith Babu V received multiple gunshot wounds. Unmindful of his personal safety and displaying courage in face of terrorist fire, he placed and detonated the third charge before succumbing to his injuries, resulting in enlarging the opening and elimination of the dreaded terrorist.

Lance Naik Sujith Babu V showed gallantry and dedication in the face and made supreme sacrifice.

12. **IC-57104 MAJOR DINESH SINGH PARMAR, 2 SIKH LIGHT INFANTRY**

(Effective date of the award: 18 October 2008)

On 18 October 2008 based on confirmed intelligence reports, Major Dinesh Singh Parmar, was leading a search party in an operation in a village in Rajouri district of Jammu & Kashmir.

At 0955 hours, search column drew heavy terrorists fire from hideout inside a re-entrant. Major Parmar, immediately re-positioned troops blocking all escape routes of terrorists. However, own fire was ineffective on terrorists who continued to engage own troops with AK-47s and grenade launcher.

Realising grave danger to troops, under covering fire from his buddy, the officer broke cover, tactically moved towards nallah and brought down effective fire into hideout dropping dead one terrorist. Heavy fire, however, prevented him from engaging remaining terrorists. Assessing the situation and carefully analyzing the ground, he approached the hideout from flank. While approaching hideout, despite suffering grievous abdominal injury due to terrorist fire, he closed in with hideout and lobbed grenade inside, eliminating another terrorist and neutralised grenade launcher fire before being evacuated due to excessive bleeding.

Major Dinesh Singh Parmar displayed cool courage, nerves of steel, dogged determination and acted beyond the call of duty.

13. IC-63089 MAJOR SUBRAMANIAM ANAND, 4 SIKH LIGHT INFANTRY

(Effective date of the award: 25 October 2008)

Based on a tip-off on 25 October 2008 of some terrorists assembling for arms deal in a village in Nalbari district of Assam a well-deliberated, orchestrated operation was planned and executed. At approx 2120 hours raid party reached the target area from north. At approx 50 meters from the target area, a few individuals came out of the complex firing indiscriminately. One of the stray bullets hit Major Anand. The officer undeterred of the temporary shock and showing presence of mind immediately divided his party into two groups to chase fleeing terrorists. The officer himself led one party and when the terrorists did not stop the officer adjusted his position and shot at one of the terrorists.

The terrorist was wounded and before he could lob a grenade to break contact, the officer silenced him with a burst of fire. Meanwhile the other two terrorists had taken cover and were firing indiscriminately. Under covering fire of his buddy, the officer crawled for 30 meters, charged at the terrorists simultaneously and eliminated both the terrorists. Weapons, ammunitions, other equipment and stores were recovered.

Major Subramaniam Anand exhibited superlatively exemplary courage and boldness in fighting against the terrorists.

14. IC-61857 MAJOR MANU SHUKLA, REGIMENT OF ARTILLERY / 11 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 27 October 2008)

Major Manu Shukla undertook an operation in a village in District Kishtwar (J&K) from 23-28 Oct 2008. He led a self-contained column on 23 Oct 2008 in treacherous terrain over a distance of 23 Kms and kept surveillance over target-area for 48 hours under extreme inclement weather.

At 0745 hours on 27 Oct 2008, one terrorist came out firing indiscriminately and was shot dead by the officer at point blank range. Meanwhile remaining terrorists brought down heavy fire from the hideout. Anticipating danger to own troops, the officer manoeuvred and lobbed grenade into the hideout which did not explode and exposed the officer to the fierce fire of terrorists who made exit from the hideout. In do or die situation he acted most boldly and shot dead both terrorists from close quarter. Meanwhile, two remaining terrorists escaped using cover of boulders. The officer immediately relocated his party, which later resulted in killing of both.

Major Manu Shukla displayed exceptional gallantry and leadership while fighting the terrorists.

15. **SQUADRON LEADER TARUN KUMAR CHAUDHRI (25871), FLYING (PILOT)**

(Effective date of the award: 14 November 2008)

On 14 Nov 08, Squadron Leader Tarun Kumar Chaudhri was assigned the task of picking up three Border Security Force casualties, Electronic Voting Machines (EVMs) and election commission officials. Sqn Ldr Chaudhri had been successfully operating at Chhatisgarh since 08 Nov 08. He was chosen as the Captain of the helicopter because of his leadership, courage and qualities of task accomplishment. He proved his mettle and worth by successfully undertaking the task at Chhatisgarh, immensely contributing towards the planned election process in the state in spite of operations involving regularly flying in the disturbed areas of Chhatisgarh due to violence of Anti-National Elements (ANEs). On 14 Nov 08, after landing at the helipad and picking up the personnel and equipment, during take off, his helicopter came under heavy small arms and light machine gun fire. The helicopter sustained heavy damage to the main rotor blades, fuel tank, and tail boom. Despite damage to aircraft and fast approaching night fall, Sqn Ldr Chaudhri displayed supreme courage under fire, skilful handling of the aircraft and great composure in quickly and correctly assessing the fly-worthiness of the aircraft, the adverse ground situation due to the presence of ANEs in the vicinity and flew back the helicopter safely to Jagdalpur. This act of courage, composure and presence of mind saved fifteen lives in the helicopter and the voting machines, which are government property and avoided adverse propaganda material for the ANEs cause.

Squadron Leader Tarun Kumar Chaudhri displayed exceptional courage under fire from anti national elements, leadership and composure under adverse situation.

16. **776951 SERGEANT MUSTAFA ALI FLIGHT ENGINEER (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 14 November 2008)

On 14 November 2008, the helicopter with Sergeant Mustafa Ali as the Flight Engineer was tasked for casualty evacuation of three Border Security Force (BSF) personnel from a helipad infested with anti national elements. Sgt Ali had been operating in Chhatisgarh since 08 November 2008 for election duties. On being detailed for the task, Sergeant Ali cheerfully volunteered to undertake the mission in spite of knowing that Chhatisgarh was a disturbed area with reports of repeated cases of violent attacks on security personnel, election

duty officials and government property by the Naxals. Despite the heightened security scenario and intermittent violence the aircraft successfully operated till 14 November 2008, aiding the fundamental democratic process of elections to be conducted smoothly in the state of Chhatisgarh. Not withstanding the danger to life Sergeant Ali undertook the mission. The helicopter was flown professionally to pickup the casualties, electronic voting machines and election commission officials from the helipad. After picking up the personnel and equipment, during take off from the helipad the helicopter came under heavy small arms and light machine guns fire from ground by anti-national elements. One of these bullets fatally injured Sergeant Mustafa Ali.

Sergeant Mustafa Ali displayed raw courage under adverse security conditions and laying down his life in line of the duty to the nation.

17. **2792266 NAIK PAWAR CHANDRABHAN BHIKAN, 7 MARATHA LIGHT INFANTRY, (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 17 November 2008)

On 17 November 2008, Naik Pawar Chandrabhan Bhikan was part of the search column in general in Baramulla district of Jammu & Kashmir. Naik Pawar who was a Light Machine Gun Number-1 in the support party traded his weapon for an assault rifle and joined the search party. At 1255hrs Naik Pawar observed a well-concealed terrorist under a boulder about three meters in front and below him ready to fire, whom no one else could have observed. Sensing the danger to his comrades Naik Pawar with utter disregard to personal safety assaulted the terrorist firing continuously, forcing the terrorist to engage him, thereby saving his comrades. In the extreme close quarter, one-to-one encounter, Naik Pawar killed the terrorist but succumbed to the bullet injuries.

Naik Pawar Chandrabhan Bhikan showed bravery, courage under fire and outstanding devotion to duty at the cost of his life.

18. **2599664 LANCE HAVILDAR LUIS PERIYERA NAYAGAM, MADRAS REGIMENT / 8 RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 18 December 2008)

Lance Havildar Luis Periyera Nayagam was part of the cordon established to prevent escape of terrorists hiding among boulders in general area in Doda district of Jammu & Kashmir. The individual leading his small team on 18 Dec 08 pinned down the terrorists with accurate fire and foiled their attempts to take advantage of darkness poor visibility and chill factor to escape.

At daybreak he volunteered to close in, as the terrorists were immune to grenade assault and small arm fire. He crawled from the flanks under heavy fire towards the boulders and threw a grenade that did not have desired effect. Realizing this, he climbed the boulder shielding the terrorists with his buddy providing fire support. He directed his buddy to lob grenade below the boulders to distract the terrorists. On explosion of the grenade, with utter disregard to his personal safety, he jumped from the boulder on to the two terrorists and killed them single handedly.

Lance Havildar Luis Periyera Nayagam displayed audacity, raw courage and perseverance of very high order in the face of the terrorists' fire.

19. **9107449 RIFLEMAN MOHD ABDUL AMIEEN BHAT, JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY / 57 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 28 January 2009)

On 28 January 2009, based on specific information about presence of terrorists in a village in Jammu &Kashmir, a cordon and search operation was launched. Rifleman Mohammad Amieen Bhat while searching a house, at about 0830 hrs noticed suspicious movement. With utter disregard to personal safety he closed in towards the terrorists hiding in a hideout. Despite the barrage of fire being fired by the terrorists, displaying nerves of steel and excellent fieldcraft he killed one hardcore terrorist identified as Battalion Commander of an outlawed terrorist outfit. In the face of terrorist fire, displaying dogged determination he moved forward with lightning speed and in a daring act of bravery, single handedly grievously injured another terrorist. He then succumbed to the bullet injuries, saving the life of his party Commander who was in the line of fire of terrorist. His act of bravery motivated the team, which resulted in elimination of two hardcore terrorists.

Rifleman Mohammad Amieen Bhat displayed unparallel act of gallantry, raw courage, initiative, determination infighting the terrorists and made the supreme sacrifice.

20. **SS-42427 LIEUTENANT CHUNDAWAT PRASHANT SINGH, 16TH BATTALION THE JAT REGIMENT**

(Effective date of the award: 20 March 2009)

Lieutenant Chundawat Prashant Singh was on an area domination patrol when generic information regarding terrorist infiltration in Kupwara district of Jammu & Kashmir was received. With single-minded devotion and dogged determination he followed the terrorists for six hours through treacherous terrain

and heavy snow. He also guided other teams to block the escape routes. On 20 March 2009 at about 0630 hours, the terrorists opened heavy automatic fire, injuring three of his soldiers and hitting him on his helmet. The terrorists were in an advantageous position. He crawled through snow and thick foliage to a flank and lobbed a grenade. Charging, he neutralised one terrorist in close quarter battle. With exemplary courage he closed in on to the second terrorist who had injured another solider and neutralised the terrorist in hand-to-hand combat. Lieutenant Chundawat Prashant Singh continued to lead the operation over seven days in extremely tough conditions till the successful completion of the operation, resulting in elimination of five foreign terrorists.

Lieutenant Chundawat Prashant Singh showed raw courage, grit and bravery under effective terrorist fire.

21. **9101356 HAVILDAR RAKESH KUMAR, 1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 21 March 2009)

On 21 March 2009, while tracking an infiltrating column in the thick jungles of North Kashmir, Havildar Rakesh Kumar, troop came under heavy fire by terrorists resulting in serious casualties including Team Leader. Undaunted, he took command of the situation and deployed his squad quickly, engaging the terrorists with effective Machinegun fire. Displaying indomitable courage with complete disregard to personal safety, he crawled to wounded commandos under heavy indiscriminate fire and pulled three of them to safety. In this process, he received multiple gunshot wounds but leading from the front, he charged firing onto the terrorists, lobbing grenades and killed two of them. This selfless and courageous act diverted the terrorists and led to safety of his comrades.

Havildar Rakesh Kumar displayed espirit-de-corps, camaraderie and fortitude and made the supreme sacrifice in the highest traditions of Indian Army while fighting the terrorists.

22. **13625790 NAIK MANOJ SINGH, 1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES), (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 22 March 2009)

Naik Manoj Singh was member of an assault squad of his team operating in North Kashmir. On 22 Mar 2009, his squad was tasked to dominate a track leading from the jungle to a village in Kupwara District of Jammu & Kashmir. After prolonged surveillance, he observed suspicious movement on the track. He challenged the suspects on which they retaliated with a heavy volume of indiscriminate fire. During the ensuing firefight he received a burst of automatic

fire and a stray bullet struck his personal weapon and damaged it. Fearing safety of his squad members he displayed indomitable courage and with total disregard to his safety charged onto the terrorists lobbing grenades and killed one terrorist instantaneously but in the process sustained multiple gunshot wounds. Undeterred and bleeding profusely he outmanoeuvred the second terrorist and in hand to hand combat killed him with his pistol before succumbing to his injuries.

Naik Manoj Singh displayed exemplary courage and valour of exceptional order while making supreme sacrifice in fighting the terrorists.

23. **2795178 SEPOY HANMANT MAHADEO YEVALE, 2 MARATHA LIGHT INFANTRY**

(Effective date of the award: 22 March 2009)

Sepoy Hanmant Mahadeo Yevale was member of a small team deployed to cut off the escape route of a large group of heavily armed foreign terrorists, in rugged, snow covered terrain. At about 0100 hours on 22 March 2009, the team came under heavy fire and was pinned down. Sepoy Hanmant Mahadeo Yevale with sheer disregard to his personal safety moved through snow and thick foliage to an advantageous position. He approached the terrorists from a flank and charged at their position bringing down effective fire. Bewildered by this onslaught from an unexpected direction, the terrorists tried to flee. Sepoy Hanmant Mahadeo Yevale shot dead a terrorist at short range and followed the second terrorist into the nallah. He came under heavy fire but, undeterred, he outmanoeuvred and outflanked the second terrorist and neutralised him in hand-to-hand combat.

Sepoy Hanmant Mahadeo Yevale displayed raw courage and bravery in the face of extreme adverse conditions.

24. **4427599 SEPOY RUPOM GOGOI, ASSAM REGIMENT / 42 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 28 March 2009)

On 28 March 2009 at 0900 hours in the Jungle located in Jammu & Kashmir, during a search and destroy operation Sepoy Rupom Gogoi following a thickly forested, arduous mountainous route spotted a hide out and saw two terrorists close by. Sepoy Rupom Gogoi displaying raw courage and remarkable combat awareness, challenged the terrorists. Terrorists surprised by this audacious move opened indiscriminate fire and in the fire fight Sepoy Rupom Gogoi got grievously injured in the head despite wearing Bullet Proof Patka. Unmindful of his injury and refusing evacuation he proceeded perilously close to

the terrorists and in an unparalleled act of valour shot dead one of the terrorist through the neck from close quarter. Unfazed, he continued till he fell unconscious and later succumbed to injuries in hospital.

Sepoy Rupom Gogoi's martyrdom is an unmatched example of gallantry, patriotic tenor while defending the motherland.

25. **13622147 HAVILDAR VIPAN THAKUR, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 05 April 2009)

Havildar Vipan Thakur was the squad commander of a squad conducting search and destroy operation in general Area in Kupwara district of Jammu & Kashmir.

Based on specific intelligence regarding presence of Category 'A' Divisional Commander (North Kashmir) of a dreaded terrorist group and his deputy, Havildar Vipan Thakur led his squad to a deliberate search of the suspected area. On 05 April 2009, the squad came under heavy volume of fire. Sensing grave danger to his squad, Havildar Vipan Thakur, with calm perception and utter disregard to his personal safety maneuvered his squad to dominate the terrorist fire while he himself kept engaging the terrorists from close range.. In doing so, he came under heavy volume of accurate terrorist fire and suffered gun shot wound in thigh and head. Despite being grievously wounded and bleeding profusely, in a rare display of raw courage and dogged determination he identified the exact location of terrorists, maneuvered himself close to that location and killed both the terrorists from close range before succumbing to injuries.

Havildar Vipan Thakur, thus, displayed indomitable courage, unparalleled valour and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

26. **JC-74651 NAIB SUBEDAR GANESH NATH, 7 ASSAM RIFLES**

(Effective date of the award: 14 April 2009)

During an operation Naib Subedar Ganesh Nath was the stop party commander at general area in Nagaland. On receiving information about movement of some armed cadres, Nb Sub Ganesh Nath alongwith 10 Other Ranks tactically moved his troops and re-sited an ambush. On 14 April 2009 at approximately 0215 hrs, Nb Sub Ganesh Nath observed some movement along the fish farms. On being challenged the suspected terrorists opened fire with automatic weapons. Own troops retaliated but the fire was ineffective as terrorists

had taken cover behind the bund. Showing presence of mind and with sheer disregard to personal safety Nb Sub Ganesh Nath crawled around 50 meters towards the terrorists under heavy fire and killed two of them by his firing. During course of this action, he was hit with a bullet on his left foot. Despite being gravely wounded, he directed his personal weapon's fire on to the remaining one terrorist and was successful in eliminating him also.

Nb Sub Ganesh Nath displayed unflinching selfless dedication, unconventional planning, boldness in execution of a swift surgical action against terrorists.

BARUN MITRA
Jt. Secy.

No. 115-Pres/2009 – The President is pleased to approve the award of the **"Bar to Sena Medal/Army Medal"** to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:

1. IC-55235 LIEUTENANT COLONEL CHECURI SRINIVAS VARDHAN, SENA MEDAL, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

2. G/75320 HAVILDAR JATIN CHANDRA PHUKAN, SENA MEDAL, 7 ASSAM RIFLES

BARUN MITRA
Jt. Secy.

NO. 116-Pres/2009 – The President is pleased to approve the award of the "**Sena Medal/Army Medal**" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. IC-49137 COLONEL DEEPAK SHARMA
   SIKH REGIMENT / 32 ASSAM RIFLES

2. IC-56123 MAJOR SAURABH SHAH
   DOGRA REGIMENT / HEADQUARTER NATIONAL SECURITY GUARD

3. IC-57120 MAJOR NINAD RAMESH KULKARNI
   JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY / 31 RASHTRIYA RIFLES

4. IC-58523 MAJOR MUKUL CHAUHAN
   158 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY) (HOME & HEARTH)
   SIKH LIGHT INFANTRY

5. IC-58612 MAJOR VIRENDER SINGH SALARIA, SHAURYA CHAKRA,
   10TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

6. IC-59700 MAJOR MANAS SADANAND DIXIT
   28 MADRAS REGIMENT

7. IC-60148 MAJOR PUNAR PREET SINGH MANN
   BRIGADE OF THE GUARDS / 21 RASHTRIYA RIFLES

8. IC-60744 MAJOR CHANDRAMOULI SINGH PARMAR
   9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

9. IC-60910 MAJOR RAJESH KUMAR SINGH
BRIGADE OF THE GUARDS / 21 RASHTRIYA RIFLES

10. IC-61360 MAJOR NAVIN RAJAN
PUNJAB REGIMENT / 22 RASHTRIYA RIFLES

11. IC-61802 MAJOR VIJAY RAWAT, RAJPUT REGIMENT, 34 ASSAM RIFLES

12. IC-61915 MAJOR NAGESH DHOUNDIYAL
ARMOURED CORPS / 55 RASHTRIYA RIFLES

13. IC-62150 MAJOR KAMAL THAPA
KUMAON REGIMENT / 60 RASHTRIYA RIFLES

14. IC-62797 MAJOR ARUN PANDEY
DOGRA REGIMENT / 11 RASHTRIYA RIFLES

15. IC-62922 MAJOR AKSHAY SINGH
BRIGADE OF THE GUARDS / 23 ASSAM RIFLES

16. IC-63439 MAJOR AMIT MAHAJAN
REGIMENT OF ARTILLERY / 11 RASHTRIYA RIFLES

17. IC-63558 MAJOR TUSHAR SHARMA
ASSAM REGIMENT / 16 ASSAM RIFLES

18. IC-64194 MAJOR AJAY PATIAL
JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 52 RASHTRIYA RIFLES

19. IC-64304 MAJOR MOHAMED ZABIULLA
CORPS OF SIGNALS / 44 ASSAM RIFLES

20. IC-64754 MAJOR AMOL MONE
CORPS OF SIGNALS / 16 ASSAM RIFLES

21. IC-64896 MAJOR KRISHNA KANTH P
PUNJAB REGIMENT / 53 RASHTRIYA RIFLES

22. IC-64919 MAJOR SIDDHARTH SINGH VIRDI
RAJPUT REGIMENT / 44 RASHTRIYA RIFLES

23. IC-65351 MAJOR ASHWANI KUMAR RAINA
ARMOURED CORPS / 23 ASSAM RIFLES

24. IC-65434 MAJOR KUMAR ABHIJIT BANERJEE
ARMOURED CORPS / 22 RASHTRIYA RIFLES

25. IC-65440 MAJOR NAVDIP SIDHU
RAJPUT REGIMENT / 44 RASHTRIYA RIFLES

26. SS-39094 MAJOR SUMEDH KUMAR
23 PUNJAB REGIMENT

27. SS-40579 MAJOR DEEPAK KUMAR TIWARI
SIKH REGIMENT / 6 RASHTRIYA RIFLES

28. SC-00137 MAJOR RAJINDER KUMAR SHARMA, KIRTI CHAKRA, SHAURYA CHAKRA, GRENADIERS / 28 ASSAM RIFLES

29. SC-00364 MAJOR RAJINDER KUMAR SAINI
REGIMENT OF ARTILLERY / 7 ASSAM RIFLES

30. IC-64526 CAPTAIN ARUN TOM SEBASTIAN
GRENADIERS / 55 RASHTRIYA RIFLES

31. IC-66817 CAPTAIN RAVIRAJ BALKRISHNA NALAWADE,
21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

32. IC-67628 CAPTAIN ABHIMAAN PATTAR
12 MARATHA LIGHT INFANTRY

33. IC-67754 CAPTAIN PREMNATH OTHAYOTH
CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS/
5 BIHAR REGIMENT

34. SS-40584 CAPTAIN KAMAL GAUTAM
ARMY AIR DEFENCE / 44 ASSAM RIFLES

35. SS-40630 CAPTAIN MANISH KULHARI
JAT REGIMENT / 5 RASHTRIYA RIFLES

36. IC-69925 LIEUTENANT MAYANK BISHT
10 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY

37. IC-70145 LIEUTENANT SATBIR SINGH
ARMY EDUCATION CORPS / 12 MARATHA LIGHT INFANTRY

38. JC-439260 SUBEDAR MANJUNATHA CS
MADRAS REGIMENT / 8 RASHTRIYA RIFLES

39. JC-479563 SUBEDAR SATVIR SINGH
RAJPUT REGIMENT / 10 RASHTRIYA RIFLES

40. JC-528982 SUBEDAR BALDEV SINGH
GARHWAL RIFLES / 14 RASHTRIYA RIFLES

41. JC-548948 SUBEDAR CHINIO LOTHA, 12 ASSAM REGIMENT

42. JC-579894 SUBEDAR HANS RAJ THIAL
JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 28 RASHTRIYA RIFLES

43. JC-83212 NAIB SUBEDAR KESHAR SINGH NEGI
8 ASSAM RIFLES

44. JC-83267 NAIB SUBEDAR MOHAN SINGH MEHAR
8 ASSAM RIFLES

45. JC-299931 NAIB SUBEDAR AUGUSTY PD
ARMY AIR DEFENCE / 20 RASHTRIYA RIFLES

46. JC-520623 NAIB SUBEDAR NIRMAL SINGH
DOGRA REGIMENT / 11 RASHTRIYA RIFLES

47. JC-530413 NAIB SUBEDAR MAN MOHAN SINGH
7 GARHWAL RIFLES

48. 2594316 HAVILDAR PUNIBOR DIHINGIA
12 ASSAM REGIMENT

49. 2681392 HAVILDAR AHSAN ALI, 16 GRENADIERS

50. 2783530 HAVILDAR KALE NETAJI GOPALRAO
12 MARATHA LIGHT INFANTRY

51. 2991822 HAVILDAR SANTER PAL
RAJPUT REGIMENT / 58 RASHTRIYA RIFLES

52. 2993180 HAVILDAR SAMANDAR SINGH
RAJPUT REGIMENT / 44 RASHTRIYA RIFLES

53. 3186467 HAVILDAR SURENDRA KUMAR
16 JAT REGIMENT

54. 3189212 HAVILDAR RAM NIWAS
PARACHUTE REGIMENT / 51 SPECIAL ACTION GROUP

55. 3993208 HAVILDAR SANJAY SINGH
1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
(POSTHUMOUS)

56. 4071383 HAVILDAR DINESH CHANDRA
7 GARHWAL RIFLES

57. 13618768 HAVILDAR VIKRAM SINGH MEHTA
9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

58. 13757436 HAVILDAR MUKESH KUMAR
9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

59. 14401292 HAVILDAR RAJBIR SINGH BHADOURIA
ARMY AIR DEFECE / 10 RASHTRIYA RIFLES

60. 15134004 HAVILDAR BHAKARE SANJAY ANNASAHEB
1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
(POSTHUMOUS)

61. G/75633 LANCE HAVILDAR DIGAMBER SINGH, 7 ASSAM RIFLES

62. 2494024 NAIK ANIL KUMAR
1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
(POSTHUMOUS)

63. 2686773 NAIK VINOD SINGH
GRENADIERS / 55 RASHTRIYA RIFLES

64. 2688833 NAIK KISHORI LAL
8 GRENADIERS (POSTHUMOUS)

65. 3187422 NAIK VIRENDER SINGH
11 JAT REGIMENT

66. 3188074 NAIK KIRAN DEV RAWAT
16 JAT REGIMENT

67. 3993056 NAIK BHAGWAN DASS
DOGRA REGIMENT / 11 RASHTRIYA RIFLES

68. 4188305 NAIK GANGA SINGH
3 KUMAON REGIMENT

69. 4364183 NAIK HMAR LALSANGLURA
9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

70. 4474297 NAIK JAGDIP SINGH
4 SIKH LIGHT INFANTRY

71. 13626926 NAIK KARAMJIT SINGH
9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

72. 14432318 NAIK BAPI DAFADAR
JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 28 RASHTRIYA RIFLES

73. 2894634 LANCE NAIK RAJEEV KUMAR
RAJPUTANA RIFLES / 18 RASHTRIYA RIFLES

74. 3997541 LANCE NAIK RATTAN LAL
17 DOGRA REGIMENT

75. 4192469 LANCE NAIK BIRENDRA SINGH
21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

76. 4192505 LANCE NAIK PRAKASH CHANDRA PANDEY
PARACHUTE REGIMENT / 22 SPECIAL GROUP

77. 4368129 LANCE NAIK NALEE AGAN
ASSAM REGIMENT / 42 RASHTRIYA RIFLES

78. 12944331 LANCE NAIK DEV RAJ
159 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
(HOME AND HEARTH) DOGRA

79. 12944704 LANCE NAIK VIJAY KUMAR SHAN
159 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
(HOME AND HEARTH) DOGRA

80. 13761930 LANCE NAIK SUKDEN LEPCHA
JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 28 RASHTRIYA RIFLES

81. 15616369 LANCE NAIK SADANAND HAZARIKA
BRIGADE OF THE GUARDS / 21 RASHTRIYA RIFLES

82. 3002638 SEPOY SUNIL KUMAR
RAJPUT REGIMENT / 51 SPECIAL ACTION GROUP

83. 3199182 SEPOY RANBIR SINGH
JAT REGIMENT / 5 RASHTRIYA RIFLES

84. 4002337 SEPOY CHATAR SINGH
17 DOGRA REGIMENT

85. 4196047 SEPOY CHHATTAR PAL YADAV
KUMAON REGIMENT / 26 RASHTRIYA RIFLES

86. 4369760 SEPOY DUSAKHO NYEKHA, 12 ASSAM REGIMENT

87. 4484097 SEPOY GURCHARAN SINGH
2 SIKH LIGHT INFANTRY

88. 4574321 SEPOY SUKHVINDER SINGH
MAHAR REGIMENT / 30 RASHTRIYA RIFLES

89. 5250782 RIFLEMAN BASANT KUMAR THAPA
3 GORKHA RIFLES / 32 RASHTRIYA RIFLES

90. 5758316 RIFLEMAN PANKAJ GURUNG
4/8 GORKHA RIFLES (POSTHUMOUS)

91. 9109920 RIFLEMAN VIJAY KUMAR
JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY / 8 RASHTRIYA RIFLES

92. 13767602 RIFLEMAN SOHAN LAL SHARMA
JAMMU AND KASHMIR RIFLES / 52 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

93. G/164101 RIFLEMAN RAM BAHADUR BHANDARI
44 ASSAM RIFLES

94. G/5002227 RIFLEMAN MUGHAKHE ROCHILL
7 ASSAM RIFLES

95. G/5002947 RIFLEMAN THOUNAOJAM SURJIT SINGH
32 ASSAM RIFLES

96. 9113179 PARATROOPER NATER SINGH
1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
(SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

97. 13623559 PARATROOPER MAGHRAJ JANGIR
9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

98. 13625774 PARATROOPER JITENDER SINGH
9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

99. 2693964 GRENADIER PRADEEP KUMAR
GRENADIERS / 12 RASHTRIYA RIFLES

100. 15617991 GUARDSMAN SANJAY NIMBALKAR
BRIGADE OF THE GUARDS / 21 RASHTRIYA RIFLES

BARUN MITRA
Jt. Secy.

No. 117-Pres/2009 – The President is pleased to approve the award of the **"Nao Sena Medal/Navy Medal"** to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. LIEUTENANT COMMANDER ROHIT MISHRA, (05088-N)

2. LIEUTENANT GB YADUVANSHI, (05633-A)

3. SAJJAN SINGH, POCD I, (116489-Z)

4. VISHWANATH V BHAT, LS CD II, (119747-B)

BARUN MITRA
Jt. Secy.

No. 118-Pres/2009 – The President is pleased to approve the award of the **"Vayu Sena Medal/Air Force Medal"** to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage.

1. WING COMMANDER RAJAN PURI (21846) FLYING (PILOT)

2. FLIGHT LIEUTENANT YOGINDRA SINGH TOMAR (28497), FLYING (PILOT)

3. 679560 JUNIOR WARRANT OFFICER RAJHANS THAPLIYAL, FLIGHT GUNNER

4. 766557 SERGEANT BIPIN KUMAR FLIGHT ENGINEER

5. 9083049 LANCE NAIK AMRIK SINGH
DEFENCE SECURITY CORPS/GENERAL DUTY (POSTHUMOUS)

BARUN MITRA
Jt. Secy.

No. 119 –Pres/2009 – The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the undermentioned officers/personnel for **"Mention in Despatches"** received by the **Raksha Mantri** from the **"Chief of the Army Staff"**:-

OP RAKSHAK

1. IC-50322 COLONEL RAM CHANDRA YADAV
CORPS OF INTELLIGENCE / 15 CORPS INTELLIGENCE SURVEILLANCE UNIT

2. TA-42101 LIEUTENANT COLONEL HARI SINGH
158 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY) (HOME & HEARTH) SIKH LIGHT INFANTRY

3. IC-54475 MAJOR SAMIR KASHINATH PALANDE
2 MARATHA LIGHT INFANTRY

4. IC-60584 MAJOR SANDEEP RAWAT
MAHAR REGIMENT / 1 RASHTRIYA RIFLES

5. IC-61402 MAJOR SAMARJIT RAY
GARHWAL RIFLES / 36 RASHTRIYA RIFLES

6. IC-61427 MAJOR TATHAGATA DUTTA
ARMOURED CORPS / 53 RASHTRIYA RIFLES

7. IC-62699 MAJOR VIPIN KUMAR SINGH, BAR TO SENA MEDAL
GRENADIERS / 55 RASHTRIYA RIFLES

8. IC-64011 MAJOR R VIJAI ANAND
MECHANISED INFANTRY / 26 RASHTRIYA RIFLES

9. IC-65381 MAJOR BRIJESH KUMAR NAGAYACH
PUNJAB REGIMENT / 22 RASHTRIYA RIFLES

10. SS-39008 MAJOR GAURAV NEGI
MAHAR REGIMENT / 1 RASHTRIYA RIFLES

11. SS-41215 CAPTAIN RAHUL GOYAL
REGIMENT OF ARTILLERY / 6 RASHTRIYA RIFLES

12. JC-429710 SUBEDAR JEET KUMAR
PUNJAB REGIMENT / 22 RASHTRIYA RIFLES

13. JC-413091 NAIB SUBEDAR MANJEET SINGH
4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

14. JC-459809 NAIB SUBEDAR WAGHAMODE ABASAHEB JANOBA
7 MARATHA LIGHT INFANTRY

15. 3990427 HAVILDAR SHAMSHER SINGH
PARACHUTE REGIMENT / 31 RASHTRIYA RIFLES

16. 4072034 HAVILDAR PRADEEP SINGH, 7 GARHWAL RIFLES

17. 2487561 NAIK SARWAN SINGH
PUNJAB REGIMENT / 22 RASHTRIYA RIFLES

18. 2487790 NAIK MAN MOHAN SINGH
PUNJAB REGIMENT / 22 RASHTRIYA RIFLES

19. 15131842 NAIK MUTHU CHANDRAN SOLAIYAPPAN
REGIMENT OF ARTILLERY / 30 RASHTRIYA RIFLES

20. 12944195 LANCE NAIK MUSHTAQ AHMED KHAN
159 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY) (HOME & HEARTH) DOGRA/ 26 RASHTRIYA RIFLES

21. 3006485 SEPOY KAILASH CHAND
RAJPUT REGIMENT / 58 RASHTRIYA RIFLES

22. 4372678 SEPOY MAYENGBAM NAOBI SINGH
ASSAM REGIMENT / 42 RASHTRIYA RIFLES

23. 4373681 SEPOY ANANTO LONGKENG, 5 ASSAM REGIMENT

24. 12914550 SEPOY MOHD SHAFFI
156 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY) (HOME & HEARTH) PUNJAB

25. 9112061 RIFLEMAN MUKHTAR AHMAD ITOO
JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY / 36 RASHTRIYA RIFLES

26. 15768050 GUNNER INDER SINGH RAO
ARMY AIR DEFENCE / 58 RASHTRIYA RIFLES

OP HIFAZAT

27. IC-59256 MAJOR AJAY THAKUR
10 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY

28. IC-60445 MAJOR ABHIJAT KUSHWAHA
13 BRIGADE OF THE GUARDS

29. IC-65383 MAJOR KARTHIKESH KASINATH
SIKH LIGHT INFANTRY / 31 ASSAM RIFLES

30. SS-40532 CAPTAIN BIRENDER PATHANIA, 21 JAT REGIMENT

31. G/2102757 HAVILDAR SURINDER KUMAR, 21 ASSAM RIFLES

32. G/2900395 HAVILDAR BISUD CHANDRA, 29 ASSAM RIFLES

33. 2791753 NAIK SHRI OM
21 BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

34. G/3400960 RIFLEMAN TH IBOCHA SINGH, 34 ASSAM RIFLES

OP BLACK TORNADO

35. IC-63111 CAPTAIN RYAN CHAKRAVARTY
LADAKH SCOUTS / 52 SPECIAL ACTION GROUP

36. IC-64013 CAPTAIN KARAMJEET SINGH YADAV
REGIMENT OF ARTILLERY / 51 SPECIAL ACTION GROUP

37. JC-308200 SUBEDAR S ANTHONY SAMY
CORPS OF ENGINEERS /
SUPPORT WEAPON SQUADRON, NATIONAL SECURITY GUARD

BARUN MITRA
Jt. Secy.

MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

New Delhi, the 16th November 2009

NO. F. 4(1)/2008-Hindi—In supersession of Resolution of even number dated 27th October, 2008 regarding reconstitution of Hindia Salahkar Samiti of the Ministry of Parliamentary Affairs, Government of India hereby modifies the Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Parliamentary Affairs as Under :—

(1) **Composition**

The following will be the Official and Non-Official Members of the Committee:-

Official Members

1. Minister of Parliamentary Affairs and Water Resources - Chairman

2. Minister of State (Independent Charge) of the Ministry of Science and Technology, Minister of State (Independent Charge) of the Ministry of Earth Sciences, Minister of State in the Prime Minister's Office, Minister of State in the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, and Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs - Vice Chairman

3. Minister of State for Parliamentary Affairs and Planning - Member

Non-Official Members

(a) **Members of Parliament**

Two Members from Lok Sabha

4. Shri Sandeep Dikshit, ... Member
Member of Parliament (Lok Sabha)

5. Shri Lalji Tandon, ... Member
Member of Parliament (Lok Sabha)

Two Members from Rajya Sabha

6. Prof. Alka Balram Kshatriya, ... Member
Member of Parliament (Rajya Sabha)

7. Shri Nand Kishore Singh, ... Member
Member of Parliament (Rajya Sabha)

(b) **Two Members of Parliament Nominated by Parliamentary Committee on Official Language.**

8. Shri Dara Singh Chauhan ..... Member
Member of Parliament (Lok Sabha)

9. Shri Prabhat Jha, ... Member
Member of Parliament (Rajya Sabha)

(c) **Representative of All India Hindi Institution**

10. Prof. Anantram Tripathi, Pradhanmantri, ----- Member
Rashtrabhasha Prachar Samiti- Vardha,
Post Hindi Nagar,
Vardha, Maharashtra - 442003

(d) **Members Nominated by the Ministry**

11. Shri Himanshu Joshi, ----Member
7/C 2, Hindustan Times Apartments,
Mayur Vihar – Phase-1,
New Delhi - 110091

12. Shri Balswarup Rahi, ---- Member
F 3/10, Model Town,
Delhi - 110009

13. Shri Aniruddh Joshi, ----- Member
212 BP, MDC, Sector- IV,
Panchkula – 134114
Haryana

14. Shri R. Vijayan Thampi, ----- Member
Deseeya Hindi Acadamy,
Perunguzhi P.O., Chirayinkeezh,
Thiruvananthapuram,
Kerala - 695305

(e) **Representative of Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad**

15. Shri Suresh Tiwari, ... Member
Assistant General Manager,
Directorate of Operation,
Steel Authority of India Limited,
(Corporate Office, SAIL)
5th Floor, Ispat Bhawan, Lodhi Road,
New Delhi-110003.

(f) **Members Nominated by Ministry of Home Affairs**

16. Dr. Padmasha Jha ..... Member
Prof. Q. No. – 01,
University Campus,
Muzaffarpur - 842001
Bihar

17. Smt. Anwer Jahan Khanam ..... Member
Village & P.O. – Kothia, Via – Pindaruch,
P.S.- Kamtaul, Block – Keoti,
Distt.- Darbhanga, Bihar

18.	Prof. Chulhai Prasad Sah, Village – Karuna, Post – Bishaul, P.S.- Harlakhi, Distt. – Madhubani, Bihar - 847225	.....	Member
	Other Official Members		
19.	Secretary, Ministry of Parliamentary Affairs	....	Member
20.	Secretary, Department of Official Language and Hindi Advisor to the Government of India	....	Member
21.	Joint Secretary/Director, Department of Official Language	....	Member
22.	Director (Y.P.) Ministry of Parliamentary Affairs	-----	Member-Secretary
23.	Deputy Secretary (Leg.) Ministry of Parliamentary Affairs	.....	Member
24.	Deputy Secretary (Admn.) Ministry of Parliamentary Affairs	.....	Member

(2) **Functions**

The functions of the Samiti will be to advise the Ministry on matters relating to the progressive use of Hindi in Official use in the Ministry of Parliamentary Affairs and Implementation of policy laid down by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Official Language) from time to time.

(3) **Tenure of Office**

Tenure of Office of the Samiti will be for a period of three years from the date of its composition, provided that:-

(a) Any Member who is Member of Parliament as soon as he ceases to be a Member of Parliament, will also cease to be a Member of this Samiti.

(b) Ex-Officio members of the Samiti will continue to be Members till they hold the post, by virtue of which they are Members of the Samiti.

(c) If any vacancy is caused on the Samiti due to resignation or death etc. of any Member, the Member appointed in his place, will be Member of the Samiti for residual term.

(4) **General**

Head Office of the Samiti will be in New Delhi.

(5) **T.A. and Other Allowances:-**

T.A. and D.A. will be paid to the non-official members of the Hindi Salahkar Samiti for attending the meetings of the Committee according to the scheduled rates and Rules as laid down in the Office Memorandum No.11/20034/04/2005-O.L.(Policy-2) dated 3 February, 2006 and as amended by the Government of India from time to time.

ORDER

It is ordered that a copy of this Resolution may be forwarded to all State Governments and Union Territories Administrations, All Ministries and Department of the Government of India, President Sectt., Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Lok/Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, Parliamentary Committee on Official Language, Comptroller and Auditor General of India and Pay and Accounts Office, Cabinet Affairs, New Delhi.

It is also ordered that this Resolution may be published in the Gazette of India for information of the public.

ANIL KUMAR
Secy.

DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore-560231, the 15th October 2009

No. AS/S-25 : The President is pleased to reconstitute the Space Commission with the following composition until further orders :-

1.	Shri G. Madhavan Nair Secretary, Department of Space	-	Chairman
2.	Shri Prithviraj Chavan Minister of State (PMO)	-	Member
3.	Shri M.K. Narayanan National Security Adviser	-	Member
4.	Shri T.K.A. Nair Principal Secretary to Prime Minister	-	Member
5.	Shri K.M. Chandrasekhar Cabinet Secretary	-	Member
6.	Shri Ashok Chawla Secretary, Department of Economic Affairs	-	Member
7.	Smt. Sushama Nath Member (Finance), Space Commission	-	Member (Finance)
8.	Prof. R. Narasimha Ex-Director, NIAS	-	Member
9.	Shri N. Pant Ex-Deputy Chairman, ISRO	-	Member
10.	Dr. K. Radhakrishnan Director, VSSC	-	Member

G BALACHANDHRAN
Secretary to the Space Commission

प्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली, द्वारा प्रकाशित 2009
PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATION, DELHI, 2009